हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 145 | प्रयागराज, शनिवार 03 सितम्बर , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 2 रुपया

बीजेपी के संगठन में अभी और होगा फेरबदल कई पदाधिकारी दे सकते इस्तीफा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के संगठन में बड़े पैमाने पर फेरबदल करने की तैयारी है। एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत के तहत मंत्री बने कई पदाधिकारी संगठन में मिला पद छोड़ सकते हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बेबी रानी मौर्य, प्रदेश महामंत्री जेपीएस राठौर, प्रदेश उपाध्यक्ष एके शर्मा और प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह संगठन का पद छोड़ सकते हैं।बेबी रानी मौर्य उत्तराखंड की राज्यपाल रहीं है। उनको इस साल हुए विधानसभा चुनाव से इस्तीफा दिलाकर यूपी लाया गया था। इसके बाद पार्टी में उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया। प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनने के बाद उन्हें महिला एवं बाल–कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। इस हिसाब से मौर्य संगठन और सरकार, दोनों में जिम्मेदारी निभा रही है। योगी सरकार में दयाशंकर सिंह परिवहन विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इस साल हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें उनकी पत्नी और पूर्व मंत्री स्वाति सिंह का टिकट काटकर मैदान में उतारा गया था। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह भाजपा ओबीसी सेल के प्रभारी और संगठन में उपाध्यक्ष हैं।

वही जेपीएस राठौर योगी सरकार में सहकारिता राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार का जिम्मा संभाल रहे हैं। इसके साथ वह संगठन में महासचिव भी हैं। एके शर्मा भी सरकार और बीजेपी संगठन दोनों में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। श्री शर्मा योगी सरकार में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्रालय संभाल रहे हैं। एके शर्मा संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष पद भी हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने 25 अगस्त को भूपेंद्र चौधरी को यूपी का प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया था। यूपी बीजेपी के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद योगी कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने ट्वीट कर कहा था कि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी का पालन करने के लिए मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया। इस दौरान भूपेंद्र ने सीएम योगी और पीएम मोदी को धन्यवाद दिया और अपने पहले और दूसरे कार्यकाल के लिए आभार जताया था।

उत्तर प्रदेश में बनेगी कौशल विकास यूनिवर्सिटी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नई योगी सरकार ने कामकाज संभाला, तभी से चुनावी घोषणापत्र में किये गये वायदों पर काम होना शुरु हो गया है। अब सरकार प्रदेश में कौशल विकास यूनिवर्सिटी खोलने का प्रस्ताव लाने जा रही है,जिसमें सरकार ने एक साथ 10 लाख युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देने का लक्षय रखा है। यूनिवर्सिटी के पीछे योगी सरकार का मकसद हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का वायदा भी पूरा करने की तैयारी है। ये देश की पहली यूनिवर्सिटी होगी,इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में जमीन खोजी जा रही है।योगी सरकार का प्लान है कि कौशल विकास यूनिवर्सिटी बनने के बाद पूरे प्रदेश के हर जिले में केन्द्रों की स्थापना भी की जायेगी जिसपर हर जिले के युवा प्रशिक्षण ले सकेंगे। सरकार का उद्देश्य हर परिवार के सदस्य को रोजगार से जोड़ने का है।

पोल पर चढ़कर एक युवक ने किया हंगामा, लाइन में दौड़ रहा था 25 हजार केवी का करंट

कानपुर। यूपी के कानपुर जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां बर्राजपुर रेलवे स्टेशन पर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक ओएचई के पोल पर चढ़ गया। जिसे पोल पर चड़े देखकर लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। बता दें कि ओएचई की लाइन में 25 हजार केवी का करंट था, जिसके वजह से वहां खड़े लोग डर गए। वही लोगों लाख कहने पर भी युवक नीचे नहीं उतरा। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस कर्मियों कड़ी मशक्कत के बाद उसे नीचे उतारा। बता दें कि मामला कानपुर के कस्बा शिवराजपुर में अनवरगंज कासगंज रेल रूट पर बर्राजपुर रेलवे स्टेशन है। जहां शुक्रवार की सुबह उस समय अफरा तफरी मच गई जब एक युवक ओएचई के पोल पर चढ़ गया। वही युवक को ओएचई पोल पर चढ़ा देख लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। ओएचई की लाइन में 25 हजार केवी का करंट होने से हादसे की आशंका के डर से लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को लगभग एक घंटे के बाद नीचे उतारा है।

सुप्रीम कोर्ट ने यति नरसिंहानंद, जितेंद्र त्यागी की गिरफ्तारी की मांग वाली जनहित याचिका को किया खारिज

प्रयाग दर्पण संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें पैगंबर और इस्लाम के अनुयायियों के खिलाफ भड़काऊ और आहत करने वाली टिप्पणी को लेकर सैयद वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र त्यागी और यति नरसिंहानंद की गिरफ्तारी की मांग की गई थी। प्रधान न्यायाधीश यू.यू. ललित और न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस तरह की याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता है। पीठ ने याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करते हुए वकील से कहा, आप किसी को गिरफ्तार करने और अनुच्छेद 32 याचिका के तहत आपराधिक मुकदमा चलाने के लिए कह रहे हैं? कृ क्या आपने शिकायत दर्ज की है? वकील ने कहा कि वह गिरफ्तारी की मांग को छोड़ सकते हैं और पीठ याचिका में अन्य मांगों पर विचार कर सकती है। पीठ ने दोहराया, इन याचिकाओं पर अनुच्छेद 32 के तहत विचार नहीं किया जा सकता है।याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता उचित उपाय करने के लिए स्वतंत्र है। भारतीय मुस्लिम शिया इस्ना आशारी जमात द्वारा दायर याचिका में कहा गया है, याचिका में जितेंद्र त्यागी

की किताब मोहम्मद पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की गई थी। याचिका में कहा गया है, इसके कवर और कंटेट समेत पुस्तक ने इस्लाम धर्म के अनुयायियों की भावनाओं को आहत पहुंचाया है। यह किताब अपमानजनक और भारत में धार्मिक एकता और सद्भाव के ताने–बाने को नुकसान पहुंचा रही है। याचिका में त्यागी और नरसिंहानंद को इस्लाम, पैगंबर मोहम्मद और धर्म के प्रतीक के खिलाफ श्अपमानजनक, और भड़काऊश टिप्पणी करने से रोकने का निर्देश देने की भी मांग की गई है। याचिका अधिवक्ता सचिन सनमुखन पुजारी और अधिवक्ता फारुख खान के माध्यम से दायर की गई थी।

भाजपा की शिकायत के लिए आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रपति से मांगा समय

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि राष्ट्रपति से मुलाकात कर भाजपा के ऑपरेशन लोटस को लेकर शिकायत की जाएगी। आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी ने कहा कि मैंने भारत के लोकतंत्र की संरक्षक राष्ट्रपति से समय मांगा है, आप विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल देश भर में भाजपा की ओर से ऑपरेशन लोटस के जरिए राज्य सरकारों को अस्थिर करने पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रपति से मिलना चाहता है। वहीं दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का कहना है कि मैंने सुशासन, भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस और दिल्ली के लोगों के लिए बेहतर सेवाओं का आह्वान किया। लेकिन दुर्भाग्य से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हताशा में भटकाव की रणनीति और झूठे आरोपों का सहारा लिया है। आप के मुताबिक उसके विधायकों का प्रतिनिधिमंडल जल्द राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मुलाकात करेगा। राष्ट्रपति से मुलाकात कर भाजपा द्वारा देश भर की राज्य सरकारों

को अस्थिर करने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन लोटस के संबंध में चर्चा की जाएगी। राष्ट्रपति से मांग की जाएगी कि भाजपा के ऑपरेशन लोटस की जांच कराई जाए। आतिशी ने बताया कि भाजपा ने पूरे देश में 277 विधायक दूसरी पार्टियों के खरीद कर कई राज्य सरकारों को गिराया है। दिल्ली में भी ऑपरेशन लोटस के तहत 40 विधायकों को खरीदने की कोशिश की गई। प्रत्येक विधायक को 20 करोड़ का ऑफर दिया गया। ऐसे में भाजपा के पास में 6300 करोड़ रुपए कहां से आए, इसकी जांच होनी चाहिए। विधायक आतिशी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार अभी तक अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश आदि में विधायकों को खरीद कर विपक्षी राज्य सरकारों को गिरा चुकी है और भाजपा की सरकार बना चुकी है। भाजपा की ओर से लगातार देश में लोकतंत्र की हत्या की जा रही है।

दिल्ली सरकार ने मिठाइयों में मिलावट रोकने के लिए अभियान चलाया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग ने त्योहारों के मद्देनजर मिलावट को रोकने के लिए मिठाइयां बनाने में इस्तेमाल होने वाले ''खोया'' के नमूने लेने शुरू कर दिए हैं और कुछ विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने एक बयान में कहा कि अधिकारी ए के सिंह के नेतृत्व में मोरी गेट तथा फतेहपुरी में खोया (दूध से बना उत्पाद) के नमूने लेने शुरू कर दिए गए हैं। इन स्थानों पर थोक में खोया की बिक्री होती है। इसमें कहा गया है कि ये दल बृहस्पतिवार को खोया बेचने वाली दुकानों पर गए और 22 नमूने एकत्रित किए तथा मोरी गेट में विक्रेताओं को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का पंजीकरण न होने के लिए तीन कारण बताओ नोटिस जारी किए। बयान के अनुसार, खोया के नमूने खाद्य संरक्षा एवं मानक कानून, 2006 के प्रावधानों तथा नियमों के तहत विश्लेषण के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए। अगर आवश्यकता पड़ी तो विक्रेताओं के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेश निर्मित आईएनएस विक्रांत का किया जलावतरण

कोच्चि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां भारत के पहले स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत का जलावतरण किया। इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की फेहरिस्त में शामिल हो गया है, जिनके पास ऐसे बड़े युद्धपोतों के निर्माण की घरेलू क्षमताएं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में एक समारोह में 20,000 करोड़ रुपये की लागत से, स्वदेश में निर्मित जहाज को नौसेना के बेड़े में शामिल किया। विक्रांत के सेवा में शामिल होने के साथ ही भारत उन देशों के समूह में शुमार हो गया है जिनके पास अपने ही देश में किसी विमानवाहक पोत का डिजाइन तैयार करने तथा उसका निर्माण करने की आला दर्जे की क्षमता है। आईएनएस विक्रांत के जलावतरण समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन, एर्नाकुलम के सांसद हिबी एडन, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरी

कुमार तथा नौसेना और सीएसएल के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। मोदी ने आईएनएस विक्रांत को बेड़े में शामिल करने के मौके पर एक फलक का भी अनावरण किया। इस जहाज का नाम नौसेना के एक पूर्व जहाज 'विक्रांतश के नाम पर रखा गया है, जिसने 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में अहम भूमिका निभायी थी। यह जहाज अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत के समुद्री इतिहास का सबसे बड़ा जहाज तथा स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत 'आईएनएस विक्रांतश भारत के रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता का एक उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा, '' आईएनएस विक्रांत भारत के रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता का एक उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'विक्रांत विशाल है, विराट है, विहंगम है। विक्रांत विशिष्ट है, विक्रांत विशेष भी है।

पीएम मोदी ने कर्नाटक में किया 3800 करोड़ रुपए की परियाजनाओं का उद्घाटन

मंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि देश की बंदरगाह क्षमता पिछले आठ वर्षों में दोगुनी हो गई है। इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि आधुनिक भारत के निर्माण के लिए बुनियादी ढांचे का विकास अहम है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां एक जनसभा में विभिन्न विकास पहलों की शुरुआत के मौके पर कहा कि एक विकसित भारत के लिए विनिर्माण क्षेत्र और श्मेक इन इंडियाश का विस्तार किए जाने की जरूरत है। उन्होंने सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिए जाने का जिक्र किया। मोदी ने यह भी कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि कर्नाटक में डबल इंजन की सरकार लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं को तेजी से पूरा करने के लिए काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में 'रिमोट कंट्रोल के जरिए करीब 3,800 करोड़ रुपये की मशीनीकरण और औद्योगीकरण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मोदी ने न्यू मंगलुरु बंदरगाह प्राधिकरण द्वारा शुरू किए गए बर्थ (जहाज के रुकने के स्थान) नंबर 14 के मशीनीकरण के लिए 280 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना का उद्घाटन किया। उन्होंने बंदरगाह प्राधिकरण द्वारा शुरू की गई करीब 1,000 करोड़ रुपये की पांच परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

कश्मीरी पंडित नरसंहार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा-आप सरकार के पास जाइए, यहां क्यों आए हो

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडितों पर हुए नरसंहार मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, याचिकाकर्ता एनजीओ वी द सिटीजंस को केंद्र सरकार के समक्ष में रिप्रेजेंटेशन देने के लिए कहा हैं। रिप्रेजेंटेशन देते हुए याचिकाकर्ता को केंद्र सरकार को अपनी सारी बात बतानू पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी पंडितों की याचिका को लेकर एनजीओ से कहा आप यहां क्यों आए हो, आप सरकार के पास जाकर अपनी रिप्रेजेंटेशन दें।

फिलहाल अपनी याचिका वापस लें, याचिका में तीन दशक पहले हुई घटना कि जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर जांच कराने, पुनर्वास और संपत्ति वापस दिलाने कि मांग की गई थी।जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सीटी रविकुमार ने एनजीओ कि ओर से पेश हुए वकील वरूण सिन्हा से दलील पेश करने से पहले कहा, सुप्रीम कोर्ट से कहा कि आप सरकार के पास जाइए। यहां

क्यों आए हैं ? तब याचिकाकर्ता के वकील वकील वरूण सिन्हा ने पीठ से कहा कि अब भारतीय दंड संहिता कश्मीर में लागू है। अनुच्छेद 370 में संशोधन किया जा चुका है, अब यह जांच होनी चाहिए। इसके जबाव में वकील ने सुप्रीम कोर्ट से कहा आप याचिका विड्रॉ करके सरकार के समक्ष रिप्रेजेंटेशन दें, याचिकाकर्ता के वकील ने पूर्व राज्यपाल जगमोहन की किताब का हवाला दिया और कहा की नरसंहार के हर पहलू को इसमें दर्ज किया गया है। जनवरी 1990 में हिंदू कश्मीरी पंडितों का पलायन हुआ था, मस्जिदों से घोषणा हुई और फिर शुरू हुआ सरेआम कत्लेआम। वहां पर नारे लगने शुरू हो गए थे कि कश्मीरी पंडित काफिर थे और पुरुषों को कश्मीर छोड़ना होगा। अगर नहीं छोड़ा तो इस्लाम कबूल करना होगा वरना उन्हें मार दिया जाएगा। जिन लोगों ने मजबूर हो कर कश्मीर छोड़ना तय किया उन्हें अपने घर की महिलाओं को वहीं छोड़ने के लिए कहा गया।

महिला के साथ गालीगलौज करने वाले श्रीकांत त्यागी की जमानत याचिका खारिज

नोएडा। नोएडा में महिला के साथ गालीगलौज और मारपीट करने के मामले में गिरफ्तार किया गया गालीबाज श्रीकांत त्यागी की जमानत याचिका खारिज हो गई। कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के तहत सुनवाई के दौरान सेशन कोर्ट ने श्रीकांत त्यागी की जमानत याचिका खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान पुलिस ने केश डायरी पेश की जिसमें आरोपी त्यागी के खिलाफ 9 मुकदमों का भी जिक्र किया। दरअसल, पिछले दिनों सोशल मीडिया पर श्रीकांत त्यागी का एक महिला के साथ बेहद अभद्र व्यवहार करने का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसके बाद हरकत में आए प्रशासन ने उसके खिलाफ कार्रवाई कर उसे अपनी हिरासत में लिया।

आईएनएस विक्रांत देश की समुद्री सुरक्षा के लिए अहम कदम : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत के लिए शुक्रवार को भारतीय नौसेना, नौसेना डिजाइन ब्यूरो और कोचीन शिपयार्ड को बधाई दी और इस पोत को बेड़े में शामिल किए जाने को देश की समुद्री सुरक्षा के लिए एक अहम कदम बताया। राहुल ने ट्विटर पर कहा, '' भारतीय नौसेना, नौसेना डिजाइन ब्यूरो और कोचीन शिपयार्ड को कई वर्षों की कड़ी मेहनत के लिए बहुत–बहुत बधाई, जिससे आईएनएस विक्रांत का सपना साकार हुआ। भारत का पहला स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत, आईएनएस विक्रांत भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए एक अहम कदम है। उन्होंने आईएनएस विक्रांत की एक तस्वीर भी साझा की। भारत के पहले स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत का शुक्रवार को जलावतरण किया गया। इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया जिनके पास ऐसे बड़े युद्धपोतों के निर्माण की घरेलू क्षमताएं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में एक समारोह में स्वदेश में निर्मित पोत को नौसेना के बेड़े में शामिल किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आईएनएस विक्रांत को नौसेना के बेड़े में शामिल किए जाने के मौके पर एक पट्टिका का अनावरण किया। इस पोत का नाम एक पूर्ववर्ती पोत के नाम पर रखा गया है जिसने 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस नए पोते के साथ ही भारत अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन और फ्रांस जैसे देशों के क्लब में शामिल हो गया है जिनके पास ऐसे बड़े युद्धपोतों के निर्माण की घरेलू क्षमताएं हैं।

सम्पादकीय

भ्रामक विज्ञापन बंद हों

हमारे देश में शराब और तंबाकू के विज्ञापन पर रोक है, लेकिन इन्हें बनाने–बेचनेवालों ने एक रास्ता निकाल लिया है। वे ठीक उसी उत्पाद के नाम से विज्ञापन बनाते हैं, पर उनमें कुछ अन्य चीजों का उल्लेख कर देते हैं। उदाहरण के लिए, शराब के ब्रांड के नाम पर सोडा या सीडी बेचना या गुटखे की जगह इलायची लिख देना आम चलन बन गया है। इन्हें सरोगेट विज्ञापन कहा जाता है, जिनका इरादा आखिरकार बुनियादी ब्रांड व उत्पाद का प्रचार होता है। ऐसे विज्ञापन अखबारों, टीवी चौनलों, होर्डिंग, पोस्टर आदि में अक्सर देखे जा सकते हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने नियमों और निर्देशों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी है। यह हिदायत विज्ञापन एजेंसियों के साथ–साथ उद्योग जगत के संगठनों, उत्पादकों व निर्माताओं तथा मीडिया संगठनों को जारी की गयी है। पहले भी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा इस तरह के निर्देश जारी किये जा चुके हैं।

नागरिक संगठनों ने भी भ्रामक विज्ञापनों की शिकायतें की है। इसके बावजूद न तो उत्पादक सुधर रहे हैं और न ही विज्ञापन एजेंसियों का रवैया बदला है। इस प्रवृत्ति का गंभीरता से संज्ञान लिया गया है। सरकारी निर्देश में यह भी रेखांकित किया गया है कि खेल से संबंधित हालिया आयोजनों के वैश्विक प्रसारण के दौरान इस तरह के विज्ञापनों को दिखाया जाता रहा। सरकार की यह चिंता भी सही है कि इन विज्ञापनों में बड़े–बड़े सेलिब्रिटी होते हैं, जिनके प्रोत्साहन से लोगों, विशेष रूप से युवाओं पर नकारात्मक असर पड़ता है।

निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि अगर ऐसे विज्ञापन नहीं रोके जायेंगे, तो केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकार कड़ी कार्रवाई के लिए बाध्य होगा। शराब और तंबाकू के सेवन और लत के दुष्परिणाम जगजाहिर हैं। ये उत्पाद न केवल लोगों और परिवारों को तबाह करते हैं, बल्कि देश की स्वास्थ्य सेवा का बोझ भी बढ़ाते हैं। अब तो ऑनलाइन गेम की आड़ में जुआ खेलने का आमंत्रण देते विज्ञापन भी आम बात हो गये हैं। इनके बारे में सरकार पहले आगाह कर चुकी है। दुर्भाग्य की बात है कि इन चीजों के विज्ञापन से सिनेमा और खेल जगत की बड़ी हस्तियां जुड़ी होती हैं, जिनके करोड़ों प्रशंसक हैं तथा लोग उन्हें आदर्श की तरह देखते हैं। उन्हें यह सोचना चाहिए कि वे अपनी इस लोकप्रियता और सम्मान का उपयोग कर लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। देश की आबादी के लगभग 5।2 प्रतिशत लोगों को शराब की लत से हो रही परेशानी के लिए मदद की दरकार है। लगभग 27 फीसदी कैंसर का मुख्य कारण तंबाकू है। इस संकट को और गंभीर नहीं बनाया जाना चाहिए। सभी संबद्ध पक्षों को देश के वर्तमान व भविष्य को ध्यान में रखते हुए उचित आचरण करना चाहिए।

हथियारों के पूर्ण उन्मूलन के लिए वैश्विक आंदोलन का आह्वान

नाटो की प्रत्यक्ष भागीदारी के साथ रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध ने हजारों लोगों को मार डाला, लाखों लोगों को शरणार्थी की स्थिति में धकेल दिया और संसाधनों का अत्यधिक विनाश किया। यूक्रेन में परमाणु ऊर्जा संयंत्र खतरे में हैं, जो जानबूझ कर हमले, दुर्घटना, प्रौद्योगिकी विफलता या साइबर अपराध से क्षतिग्रस्त होने पर संभावित परमाणु बम बन जाएंगे। संयंत्र, जिस पर रूसी सेना का कब्जा है, एक फ्लैश प्वाइंट हो सकता है। यूक्रेन में भयानक चेरनोबिल परमाणु दुर्घटना का इतिहास रहा है। इसके अलावा, युद्ध जारी रहने की स्थिति में परमाणु हथियारों के उपयोग का खतरा वास्तविक है क्योंकि नाटो और रूस दोनों ने एक दूसरे को इन हथियारों के उपयोग की धमकी दी है यदि स्थिति उत्पन्न होती है। उन्होंने आज तक स्पष्ट रूप से यह घोषणा नहीं की है कि किसी भी स्थिति में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। ऐसी स्थिति में संपार्श्विक क्षति विनाशकारी होगी। एक साक्ष्य आधारित नया वैज्ञानिक अध्ययन परमाणु अकाल– यहां तक कि एक सीमित परमाणु युद्ध से अचानक जलवायु व्यवधान और वैश्विक भुखमरी हो सकती है छोटे पैमाने पर भी परमाणु हथियारों के उपयोग के मामले में मानवीय परिणामों की गंभीरता पर प्रकाश डाला गया है। 15 अगस्त 2022 को जारी और पीयर रिव्यूड जर्नल नेचर फू ड में प्रकाशित यह रिपोर्ट दुनिया भर के सहयोगियों के साथ रटगर्स विश्वविद्यालय के लिली जिया और एलन रोबॉक द्वारा नवीनतम वैज्ञानिक कार्यों का सारांश प्रस्तुत करती है। यह दिखाता है कि दुनिया के एक हिस्से में सीमित परमाणु युद्ध भी कितना खतरनाक होगा। रिपोर्ट कहती है कि तथाकथित सीमित या क्षेत्रीय परमाणु युद्ध न तो सीमित होगा और न ही क्षेत्रीय। इसके विपरीत, यह एक ग्रह–स्तरीय घटना होगी। वास्तव में, यह उससे कहीं अधिक खतरनाक होगा जितना हम कुछ साल पहले समझते थे। एक युद्ध जिसने दुनिया के कम परमाणु हथियारों का विस्फोट किया, वह अभी भी जलवायु, वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और संभावित सार्वजनिक व्यवस्था को क्रैश कर देगा। अकाल और अशांति से करोड़ों लोग मारे जाएंगे, शायद अरबों भी। जब कोई परमाणु हथियार विस्फोट करता है, तो वह सूर्य के केंद्र की तुलना में कुछ समय के लिए तापमान चार गुना अधिक गर्म कर देता है। इस तरह के विस्फोट से आग की लपटें शुरू हो जाएंगी, जिससे ऊपरी वायुमंडल में बड़ी मात्रा में कालिख फैल जाएगी, जो विश्व स्तर पर फैल जाएगी और ग्रह को तेजी से ठंडा कर देगी। 1।3 डिग्री सेल्सियस की अचानक शीतलन घटना, जो सूर्य की किरणों के पृथ्वी पर आने के बाद कालिख और वातावरण में धुएं के कारण अवरुद्ध हो जाती है, एक बड़े पैमाने पर ग्रहीय आघात होगी। इसके अतिरिक्त, ओजोन परत को नुकसान यूवी विकिरण के स्तर में वृद्धि करेगा। यह अधिक सनबर्न, कैंसर, मोतियाबिंद, इम्यूनोसप्रेशन और फोटो–एजिंग (त्वचा की क्षति जिसमें झुर्रियां, त्वचा की टोन का नुकसान और रंजकता धब्बे शामिल हैं) का कारण होगा। शायद इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि बढ़ी हुई यूवी विकिरण भी फ सल की वृद्धि में बाधा उत्पन्न करेगी। यह सब फसल की विफ लता की ओर ले जाएगा जिससे दुनिया भर में अत्यधिक भुखमरी हो जाएगी। परिणामस्वरूप अभूतपूर्व वैश्विक अकाल पड़ेगा। कुल उपलब्ध खाद्य कैलोरी अगले सात से आठ वर्षों के लिए तेजी से घटेगी, जिससे 1,911 किलो कैलोरीदिदन प्रभावित होगा, जो कि भुखमरी का एक कटऑफ है। 1943 में महान बंगाल अकाल के दौरान, उपलब्ध भोजन में केवल 5रू की कमी आई– लेकिन घबराहट–खरीदारी शुरू हुई, भोजन की कीमतें बढ़ गईं और 3 मिलियन लोग भूखे मर गए। यह उपलब्ध भोजन में 5रू की गिरावट के परिणामस्वरूप हुआ। कोई केवल कल्पना कर सकता है कि एक ऐसी दुनिया में जीवन–निर्वाह भोजन कैसे असमान रूप से वितरित किया जाएगा जहां उपलब्ध भोजन में 23रू, 33रू, 41रू या 48रू की गिरावट आई है। रटगर्स के नेतृत्व वाली अंतरराष्ट्रीय टीम, जिसने क्षेत्रीय भारत–पाकिस्तान परमाणु युद्ध के बाद अपेक्षित भुखमरी से होने वाली मौतों का मॉडल तैयार किया था, जिसके बारे में माना जाता है कि प्रत्येक के पास 160 परमाणु हथियार हैं, ने भी पहली बार उन मौतों की गणना की है, जो और भी बदतर सामूहिक अकाल के परिणामस्वरूप होंगी। यह रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच पूर्ण पैमाने पर परमाणु संघर्ष का पालन करेगा। उनका अनुमान है कि दुनिया भर में 6।7 अरब लोगों में से 5 अरब लोग दो साल के भीतर मर जाएंगे। यह मानते हुए कि हथियार और लक्ष्य समान आकार के हैं, दुनिया के किसी भी हिस्से में परमाणु आदान–प्रदान की स्थिति में परिणाम समान होंगे। यह गणना की गई है कि यदि 15 किलोटन के 100 परमाणु हथियारों में से प्रत्येक में विस्फोट हो जाता है, तो खरबों टन कालिख वायुमंडल में ६ाकेल देगी। इससे दो साल के अंत में परमाणु अकाल के परिणामस्वरूप 27 मिलियन प्रत्यक्ष मृत्यु और 260 मिलियन परोक्ष मौतें होंगी। लेकिन प्रमुख शक्तियों के बीच परमाणु आदान–प्रदान के मामले में प्रत्येक 100 किलोटन के 500 परमाणु हथियार अगर विस्फोट से 47 टीजी कालिख वायुमंडल में ६ाकेल देंगे, तो परमाणु अकाल के परिणामस्वरूप दो साल के अंत के बाद 164 मिलियन प्रत्यक्ष मृत्यु और 2।5 बिलियन मौतें होंगी। शोधकर्ताओं ने 2010 के जनसंख्या डेटासेट का इस्तेमाल किया, जिसमें 6।7 अरब लोगों की कुल विश्व जनसंख्या का अनुमान लगाया गया था। कुल विश्व जनसंख्या अनुमान आज अधिक है लगभग 8 अरब लोगों पर। 2।6 अरब लोगों की गणना की गई मृत्यु से संकेत मिलता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच एक परमाणु युद्ध हर तीसरे इंसान को मार सकता है। इस प्रकार परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन के लिए विश्व स्तर पर एक मजबूत आख्यान तैयार करने की आवश्यकता है। परमाणु युद्ध की रोकथाम के लिए अंतरर्राष्ट्रीय चिकित्सक (आईपीपीएनडब्ल्यू) परमाणु युद्ध के मानवीय परिणामों के मुद्दे को जोर–शोर से उठा रहा है। यह 7 जुलाई 2017 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित परमाणु हथियारों के निषेध ा (टीपीएनडब्ल्यू) पर संधि को अपनाने का मुख्य आधार था। परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान (आईसीएएन) को इसके लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह संधि किसी भी रूप में परमाणु हथियारों के उत्पादन, व्यापार या उपयोग को अवैध घोषित करती है और अवैध घोषित करती है। परमाणु हथियारों के उन्मूलन के लिए यह एकमात्र बहुपक्षीय संधि है।**–डॉ। अरुण मित्रा**

आज का राशिफल

मेष :– आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

वृषभ :– मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुन :– आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

कर्क :– कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंह :– लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कन्या :– आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुला :– व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक :– गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

धनु :– आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकर :– व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। ध ान के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख–शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभ :– आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीन :– आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

प्रोफेसर अभिजीत सेन, एक विलक्षण अर्थशास्त्री

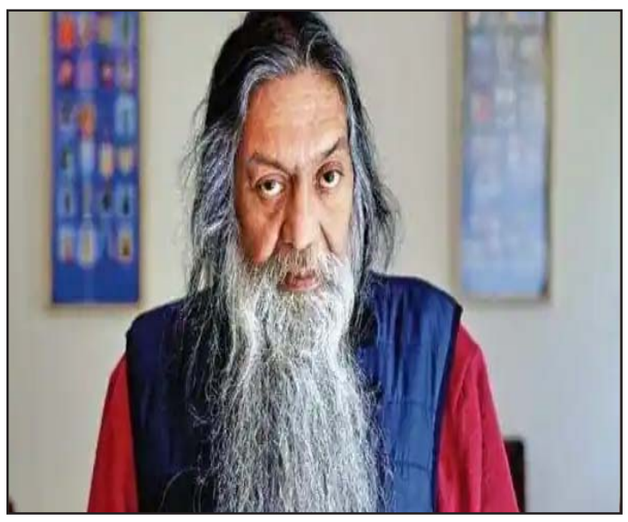

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के गलियारे उसके सम्मानित शिक्षकों की कहानियों से भरे पड़े हैं। इनमें अधिकतर कहानियां व किंवदंतियां प्रोफेसर अभिजीत सेन के बारे में हैं। उनके बड़े बाल और लंबी दाढ़ी तुरंत नये छात्रों को आकर्षित करते थे। कोई भी पाठ्यक्रम पढ़ाने की उनकी योग्यता उनका दूसरा आकर्षण थी। जब भी कोई शिक्षक अवकाश पर होता था या किसी और कारण से विश्वविद्यालय से बाहर होता था,तो उसके पाठ्यक्रम को पढ़ाने की जिम्मेदारी प्रोफेसर सेन पर आती थी। उन्होंने हमें सांख्यिकी और संसाधन अर्थशास्त्र, हमारे वरिष्ठों को व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा कनिष्ठ छात्रों को मूल्य एवं वितरण के क्लासिक सिद्धांत और अन्य पाठ्यक्रम पढ़ाया। हम लोग आपस में मजाक किया करते थे कि अभिजीत सेन को कोई भी कोर्स दे दो, वे पढ़ा लेंगे। हमारे सीनियर बैच में एक दिन वे कक्षा लेने आये और बोर्ड पर कुछ लिखा। तुरंत उन्होंने अपना सिर तेजी से हिलाया और कहा कि 'हो नहीं पा रहा है, मैं अगले सप्ताह आऊंगा।' वे कक्षा से बाहर निकल गये। कुछ कक्षाओं में वे ऊबे हुए भी दिखाते थे, पर वे अक्सर विषय से संबंधित उन मुद्दों और सवालों पर चर्चा करते थे, जिनके बारे में कोई और बात नहीं करता था। अर्थशास्त्र से परिचित कोई भी व्यक्ति यह समझ सकता है कि हर साल अलग–अलग विषय पढ़ाना कितना कठिन, बल्कि लगभग असंभव सा है। पर प्रोफेसर सेन हर साल ऐसा करते थे। प्रोफेसर सेन ने कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पीएचडी की थी तथा जेएनयू आने से पहले ससेक्स, ऑक्सफोर्ड, कैंब्रिज और एसेक्स में पढ़ाया था। भारतीय योजना अनुभव में कृषि संबंधी अवरोधों पर अपने शोध ा प्रबंध पर आधारित दो लेखों को उन्होंने 1981 में कैंब्रिज जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स में प्रकाशित किया था। वे लेख स्वतंत्र भारत में भारतीय कृषि से जुड़ी सैद्धांतिक बहसों से परिचित होने का संभवतरू सबसे अच्छा स्रोत हैं। वर्ष 1991 में उदारीकरण के तुरंत बाद के दौर में अर्थशास्त्र से संबंधित सर्वाधिक ध्रुवीकृत बहसें हुई थीं। इसका परिणाम यह हुआ कि अर्थशास्त्र के अध्ययन के क्षेत्र में दो खेमों का स्पष्ट विभाजन हो गया। प्रोफेसर अभिजीत सेन इस स्थिति के शानदार अपवाद थे। वे हमेशा आंकड़ों, सांख्यिकी और तथ्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहे। एक अकादमिक के रूप में आंकड़ों और सांख्यिकी से ऐसा लगाव बहुत कम ही देखने को मिलता है। लोक कल्याण के प्रति उनकी व्यापक प्रतिबद्धता के साथ तथ्यों के प्रति लगाव के कारण दक्षिण और वाम दोनों खेमों से उनकी जोरदार बहसें होती रहीं। लेकिन वे अपने दृढ़ निश्चय पर हमेशा अडिग रहे। बहुत सारे अकादमिकों के विपरीत वे नीति निर्धारण प्रक्रिया से संबद्ध रहे तथा उसमें बहुत योगदान दिया। उनकी तरह के अर्थशास्त्री बहुत कम ही होते हैं, जो आसानी से सैद्धांतिकी और तथ्य आधारित नीति निर्धारण के बीच आवाजाही कर सकें। ऐसा कर उन्होंने अर्थव्यवस्था की स्थिति में बदलाव के लिए बेहतरीन योगदान दिया। वे 2004 से 2014 तक कृषि लागत और मूल्य पर बनी समिति के अध्यक्ष तथा योजना आयोग के सदस्य रहे। भारत में कृषि कार्य की लागतों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के निर्धारण के साथ संबद्ध करना उनका ठोस और दीर्घकालिक योगदान है। वर्ष 2013 में बने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून पर उनकी स्पष्ट छाप देखी जा सकती है। प्रोफेसर सेन सार्वभौमिक सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जोरदार पक्षधर थे। इस कानून के कारण सस्ते दर पर देश की एक–तिहाई आबादी को चावल और गेहूं मुहैया कराया जा सका। राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) दुनिया का ऐसा सबसे बड़ा कार्यक्रम है। इसे बनाने में प्रोफेसर सेन ने केंद्रीय भूमिका निभायी थी। लोक सेवा में अप्रतिम योगदान के लिए उन्हें 2010 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

शिक्षक, शोधार्थी और नीति निर्धारक जैसी भूमिकाओं में होने के बाद भी वे अर्थशास्त्र विभाग के सबसे अधिक जनतांत्रिक शिक्षकों में थे। कोई भी छात्र कक्षा में या कक्षा से बाहर उनसे बहस कर सकता था। उनकी भूल जाने की आदत और अजीब हरकतें किंवदंतियां बन चुकी हैं। एक बार हम लोग उनसे सीढ़ियों पर टकरा गये। वह शनिवार का दिन था। उन्होंने आराम से पूछा कि क्या आज कोई परीक्षा है। हमने उन्हें बताया कि आपके पाठ्यक्रम की ही परीक्षा है। वे अचरज के साथ पीछे मुड़े और तेजी से अपने कमरे में चले गये। हम लोग समझ गये कि वे प्रश्न पत्र बनाना भूल गये हैं। लेकिन बीस मिनट के भीतर ही वे छपे हुए प्रश्न पत्र लेकर कक्षा में आ गये। ऐसे व्यक्ति थे वे– एक उत्कृष्ट शिक्षक, एक निपुण अर्थशास्त्री, एक प्रतिबद्ध नीति निर्धारक, एक अपरंपरागत अकादमिक और एक विलक्षण मनुष्य। अब कोई दूसरा अभिजीत सेन नहीं होगा।**– अभिजीत मुखोपाध्याय**

क्या गांधीजी की तरह राहुल जोड़ पायेंगे भारत को?

137 साल पुरानी पार्टी संकट में है। देश को आजादी दिलाने और आजाद महसूस कराने में जिस दल के सदस्यों ने अपना सर्वस्व दिया उसके नेता फिलहाल एक–एक कर पार्टी छोड़ रहे हैं। पार्टी तीन साल से स्थायी अध यक्ष के बगैर है क्योंकि उसके नेता ने हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ दिया था। इसके बावजूद सत्ता पक्ष इस दल से खौफ खाया हुआ रहता है और जब तब भारत से इसकी मुक्ति की कामना करता है। क्या इस दल से मुक्ति भारत को उसकी आजादी के लिए लड़े गए आंदोलन से भी मुक्त करने का आभास नहीं देती? ऐसी लड़ाई जिसके 75 साल के होने का उत्सव तो मना लेना चाहते हैं लेकिन 200 साल की औपनिवेशिक गुलामी के दौरान बहे खून और संघर्ष को सलामी देने से इंकार है। कोई एक मजहब से घृणा को आधार बनाते हुए अपना रास्ता बनाता जाता है और फिर अंततरू विपक्ष से मुक्त करने के अभियान में लग जाता है। खैर, व्यक्तिगत हमलों और मुक्ति की आवाज के बीच इस पार्टी यानी कांग्रेस ने दो जरूरी फैसले लिए हैं। पहला, अध्यक्ष का चुनावय और दूसरे भारत जोड़ो यात्रा। सत्ता पक्ष थोड़ा सन्नाटे में जरूर है लेकिन कांग्रेस के भीतर ही एक समूह है जो इन निर्णयों से ज्यादा परेशान दिखाई दे रहा है। वह बिफर रहा है, बिखर रहा है। इस रोड़ेबाजी को समझने के साथ महात्मा गांधी की उन दो बातों का जिक्र भी जरूरी होगा जो उन्होंने ऐसी ही परिस्थितियों में घिरने के बाद कही थीं। कांग्रेस उस समय से खूब चर्चा में है जब दशकों पुराने साथी और जी –23 के एक सदस्य गुलाम नबी आजाद ने पार्टी छोड़ दी। पार्टी औरों ने भी छोड़ी लेकिन आजाद की चर्चा कुछ ज्यादा रही क्योंकि वे बोल भी खूब रहे हैं, उन पांच पन्नों के अलावा भी जो उन्होंने पार्टी छोड़ते समय लिखे थे। बेशक आपकी तल्खी अपने दल से हो सकती है लेकिन पार्टी के भीतर होने जा रहे करेक्शंस पर उनका कहना कि श्सब कुछ लुटा के होश में आए तो क्या कियाकृश, आजाद का किसी ऐलान की तरह मालूम होता है कि पार्टी अपना सब–कुछ लुटा चुकी है। शायद यह एक जाते हुए वरिष्ठ नेता की हताशा की ओर इशारा करता है। अपने इंटरव्यू में दूसरी बात आजाद ने एआईसीसी के महासचिव जयराम रमेश के लिए कही, कि श्उनके तो दस–बारह डीएनए हैं, जो एक बार में करीब पंद्रह लोगों के लिए काम करते हैं। बहरहाल आजाद के जाने के बाद अब जी–23 में कितने सदस्य घट–बढ़ रहे हैं। यह बताना मुश्किल है लेकिन यह भी कड़वी सच्चाई है कि इन दो कांग्रेस में तालमेल बैठाना किसी भी पार्टी पदाधिकारी के लिए टेढ़ी राह है। मनीष तिवारी ने तो अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया पर ही संदेह व्यक्त कर दिया है। उन्होंने कांग्रेस के चुनाव पदाधिकारी से उस निर्वाचक मंडल की सूची पते ठिकाने समेत मांग ली है। जवाब में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति के मुखिया मधुसूदन मिस्त्री का कहना था कि चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष और कांग्रेस के संविधान के मुताबिक होगी। इन भीषण असहमतियों के बीच इक्कीस साल बाद होने जा रहे अध्यक्ष पद के लिए लड़ने के संकेत शशि थरूर ने दिए हैं। बेहतरीन लेखक, तिरुअनंतपुरम से कांग्रेस के तीन बार के सांसद, यूएन के अवर महसचिव रहे शशि बढ़िया चयन हो सकते हैं लेकिन सवाल यह है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने जो कद अपना बना लिया है और जिस तरह देश की तमाम संवैध ानिक संस्थाएं व्यक्ति विशेष से प्रभावित होकर काम कर रही हैं वहां क्या अपेक्षाकृत शांत शशि थरूर अपने संगठन में नई जान फूंक पाएंगे? शालीनता तो राहुल गांधी में भी कम नहीं है लेकिन पार्टी को इससे आगे भी कुछ चाहिए। अशोक गहलोत भी फेहरिस्त में हैं। वे केंद्र के फैसलों पर टिप्पणी भी अक्सर करते हैं लेकिन देखना यह भी होगा कि गांधी परिवार किसके सर पर हाथ रखता है या फिर नहीं भी रखता है। चुनाव के बीच भारत जोड़ो यात्रा है या इस यात्रा के बीच पार्टी के चुनाव हैं? यह संयोग है या सहयोग, समझना होगा। राहुल गांधी की 7 सितंबर से भारत जोड़ो यात्रा शुरू हो रही है और चुनाव के लिए 17 अक्टूबर की तारीख तय की गई है। कन्याकुमारी, तमिलनाडु से ही यह यात्रा शुरू होगी लेकिन इससे पहले राहुल गांधी श्रीपेरंबुदूर भी जाएंगे जहां उनके पिता राजीव गांधी की हत्या हुई थी। 117 नेताओं की सूची में एक नाम युवा और धारदार नेता कन्हैया कुमार का भी है। यात्रा के पड़ाव में बारह राज्य और दो केंद्र शासित प्रदेश होंगे। कांग्रेस इस यात्रा को आजादी की लड़ाई से भी जोड़ रही है। भारत यूं तो कई पद यात्राओं और एक रथ यात्रा का भी गवाह रहा है लेकिन मोहनदास करमचंद गांधी को महात्मा बनाने में जिस यात्रा का सबसे बड़ा योगदान था वह बापू की पदयात्रा थी। बापू ने इस यात्रा में भारत की जो तस्वीर देखी बाद में वही आजादी के आंदोलनों की नींव बनीं। वे कहते थे श्आजादी के हर अहिंसावादी सिपाही को चाहिए कि कागज या कपड़े के एक टुकड़े पर श्करो या मरोश का नारा लिखकर उसे अपने पहनावे पर चिपका ले ताकि अगर वह सत्याग्रह करते–करते मारा भी जाए तो उसे उस निशानी द्वारा दूसरों से अलग पहचाना जा सके जो अहिंसा में विश्वास नहीं रखते। कांग्रेस जरूर यात्रा को आजादी के आंदोलन से जोड़ कर बता रही है लेकिन जज्बा बहुत मायने रखता है। यह जज्बा ही शायद आज की मांग है जिसे सिविल सोसाइटीज ने भी समझा है और वे राहुल गांधी को अपना समर्थन दे रही हैं। **–वर्षा भंभाणी मिर्जा**

प्रतिमाओं के निर्माण में हो पर्यावरण की चिंता

मौसम का बदलता मिजाज उमंगों के स्वागत की तैयारी है। सनातन मान्यताओं की तरह प्रत्येक शुभ कार्य के पहले गजानन गणपति की आराध ना अनिवार्य है और इसीलिए उत्सवों का प्रारंभ गणेश चतुर्थी से होता है। कुछ साल पहले प्रधानमंत्री ने अपील की थी कि देव प्रतिमाएं प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से नहीं, बल्कि मिट्टी की ही बनाएं। तेलंगाना, महाराष्ट्र और राजस्थान सरकारें भी ऐसे आदेश जारी कर चुकी हैं, लेकिन देश की राजध ानी दिल्ली में ही कई जगह धड़ल्ले से पीओपी की प्रतिमाएं बिक रही हैं। ऐसा ही दृश्य हर बड़े–छोटे कस्बे में देखा जा सकता है। यह तो प्रारंभ है। इसके बाद दुर्गा पूजा, दीपावली से लेकर होली तक आने वाले कई त्योहार असल में किसी जाति–पंथ के नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के प्रतीक हैं।

विडंबना है कि कभी त्योहारों के रीति–रिवाज, खानपान समाज और प्रकृ ति के अनुरूप हुआ करते थे, पर आज पर्व के मायने हैं पर्यावरण, समाज और संस्कृति का क्षरण। निर्देश, आदेश व अदालती फरमान के बावजूद गणपति पर्व का मिजाज नहीं बदल रहा है। महाराष्ट्र, गोवा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, गुजरात व मध्य प्रदेश के मालवा–निमाड़ अंचल में पारंपरिक रूप से मनाया जाने वाला गणेशोत्सव अब देश में हर गांव–कस्बे तक फैल गया है। दिल्ली में ही हजार से ज्यादा छोटी–बड़ी मूर्तियां स्थापित हो रही हैं। पारंपरिक तौर पर मूर्ति मिट्टी की बनती थी, जिसे प्राकृतिक रंगों, कपड़ों आदि से सजाया जाता था। आज वे पीओपी से बन रही हैं, जिन्हें रासायनिक रंगों से पोता जाता है। कुछ सरकारों ने ऐसी मूर्तियों को जब्त करने की चेतावनी भी दीं, पर ऐसा हो नहीं पाया और पूरा बाजार ऐसी प्रतिमाओं से पटा हुआ है। इंदौर के पत्रकार सुबोध खंडेलवाल ने गोबर व कुछ अन्य जड़ी बूटियों को मिला कर ऐसी गणेश प्रतिमाएं बनवायीं, जो पानी में एक घंटे में घर में ही घुल जाती हैं, लेकिन बड़े गणेश मंडलों ने ऐसे पर्यावरण–मित्र प्रयोगों को स्वीकार नहीं किया। मुंबई में भी गमले में बीज के साथ गणपति प्रतिमा के प्रयोग हुए, लेकिन लोगों को तो चटक रंगों वाली विशाल, जहरीली प्रतिमा में ही भगवान का तेज दिख रहा है। दुर्गा पूजा भी लगभग पूरे भारत में मनायी जाने लगी है।

विश्वकर्मा पूजा में भी प्रतिमाएं बनाने का रिवाज शुरू हो गया है। कहना गलत न होगा कि प्रतिमा स्थापना कई हजार करोड़ की चंदा वसूली का जरिया है। अनुमान है कि हर साल देश में इन तीन महीनों के दौरान 10 लाख से ज्यादा प्रतिमाएं बनती हैं और इनमें से 90 फीसदी पीओपी की होती हैं। इस तरह ताल–तलैया, नदियों, समुद्र में कई सौ टन पीओपी, रासायनिक रंग, पूजा सामग्री आदि मिल जाती हैं। पीओपी ऐसा पदार्थ है, जो कभी समाप्त नहीं होता है। इससे वातावरण में प्रदूषण की मात्रा के बढ़ने की संभावना बहुत अधिक है। प्लास्टर ऑफ पेरिस कैल्शियम सल्फेट हेमी हाइड्रेट होता है, जो जिप्सम से बनता है। इन मूर्तियों के विसर्जन के बाद पानी का जैविक ऑक्सीजन तेजी से घट जाता है, जो जलीय जीवों के लिए कहर बनता है।

हर साल विसर्जन के बाद लाखों मछलियों के मरने की खबरें आती हैं। मानसून में नदियों के साथ ढेर सारी मिट्टी बह कर आती है– चिकनी मिट्टी, पीली, काली या लाल मिट्टी। परंपरा तो थी कि कुम्हार नदी तट से यह चिकनी महीन मिट्टी ले कर आता था और उससे प्रतिमा गढ़ता था। पूजा होती थी और 'तेरा तुझको अर्पण' की सनातन परंपरा के अनुसार उस मिट्टी को फिर से जल में ही प्रवाहित कर दिया जाता था। जो अन्न, फल विसर्जित होता था, वह जलचरों के लिए भोजन होता था। नदी में रहने वाले मछली–कछुए आदि ही तो जल को शुद्ध रखने में भूमिका निभाते हैं। उन्हें भी प्रसाद मिलना चाहिए। लेकिन आज हम नदी में जहर बहा रहे हैं। अब सवाल यह है– तो क्या पर्व–त्योहारों का विस्तार गलत है? क्या इन्हें मनाना बंद कर देना चाहिए? हमें प्रत्येक त्योहार की मूल आत्मा को समझना होगा। जरूरी नहीं कि बड़ी प्रतिमा से ही भगवान ज्यादा खुश होंगे। प्रतिमाओं का विसर्जन जल–निधियों की जगह अन्य किसी तरीके से करने, उन्हें बनाने में पर्यावरण–मित्र सामग्री का इस्तेमाल करने जैसे प्रयोग किये जा सकते हैं।

पूजा में प्लास्टिक का प्रयोग वर्जित करना, फूल–ज्वारे आदि को जमीन में दबा कर कंपोस्ट बनाना, चढ़ावे के फल व अन्य सामग्री को जरूरतमंदों को बांटना, मिट्टी के दीयों का प्रयोग ज्यादा करना, तेज ध्वनि बजाने से बचना जैसे साधारण प्रयोग पर्व से उत्पन्न प्रदूषण व बीमारियों पर काफी हद तक रोक लगा सकते हैं। पर्व आपसी सौहार्द बढ़ाने, स्नेह व उमंग का संचार करने के और बदलते मौसम में स्फूर्ति के संचार के वाहक होते हैं। इन्हें अपने मूल स्वरूप में अक्षुण्ण रखने की जिम्मेदारी भी समाज की है। भारतीय पर्व असल में प्रकृति को उसकी देन के लिए धन्यवाद देने के लिए होते हैं, लेकिन बाजारवाद से वे प्रकृ ति–हंता बन कर उभरे हैं। प्रशासन के लिए प्रधानमंत्री की अपील काफी है कि वह बलात पीओपी प्रतिमाओं पर पाबंदी लगाये। समाज को भी गणपति या देवी प्रतिमाओं को पानी में विसर्जित करने के बजाय जमींदोज करने के विकल्प पर विचार करना चाहिए।

मुख्य सचिव ने राजस्व ग्रामों के नक्शों की जिओ रेफरेंसिंग के संबंध में बैठक की

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में राजस्व ग्रामों के नक्शों की जिओ रेफरेंसिंग के संबंध में बैठक सम्पन्न हुई। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने प्रदेश के समस्त भू–मानचित्रों के जिओ रेफरेंस के कार्य को 2 महीने के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि स्कैनिंग योग्य मैपशीट्स की संख्या 1,18621 को जिओ रेफरेंस में लाया जाए। इसे मिशन मोड को पूरा करने के लिए तकनीकि कर्मियों को रखा जाए, जिससे यह कार्य जल्द से जल्द हो सके। उन्होंने कहा कि यह कार्य पूरा होने से सभी भूस्वामियों को जमीन की जानकारी स्पष्ट हो सकेगी। इसके अलावा स्कूल, कार्यालय, धार्मिक स्थल आदि भूमि की लोकेशन भी सही मिलेगी। इसके माध्यम से किसानों की जमीन का रिकॉर्ड भी उपलब्ध हो जाएगा। इसी विषय पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े एक्सपर्ट राजीव चावला और टीपी सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए। इससे पूर्व बैठक में राजस्व विभाग के कार्यों की

डिजिटाइजेशन की प्रगति की जानकारी देते हुए राजस्व विभाग की आयुक्त एवं सचिव मनीषा त्रिघाटिया ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम योजना में प्रदेश के समस्त भू–मानचित्रों को जिओ रेफरेंस किए जाने के लिए निर्देश दिए गए है। प्रदेश के समस्त गाटों को यूनिक लैंड पार्सल आइडेन्टिफिकेशन नंबर आवंटित किए जाने के लिए भी प्रदेश के समस्त भू–मानचित्रों को जिओ रेफरेंस किया जाना होगा। केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गति शक्ति मास्टर प्लान के तहत प्रदेश के समस्त भू–खंडों को जिओ रेफरेंस किए जाने के लिए निर्देश दिए गए है। इसके साथ ही कृषि विभाग के एग्रीस्टैक योजना के लिए प्रदेश के समस्त भू–मानचित्रों को जिओ रेफरेंस किए जाने की अपेक्षा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के समस्त ग्रामों के स्कैनिंग योग्य उपलब्ध भू–मानचित्रों की स्कैनिंग, डिजिटाइजेशन एवं खतौनी के डाटा से लिंकिंग का कार्य सम्पादित कराया जा रहा है। ग्रामों के स्कैनिंग योग्य उपलब्ध भू–मानचित्रों की स्कैनिंग और राजस्व कर्मियों की ओर से सत्यापन का कार्य 98 प्रतिशत पूरा हो चुका है। खतौनी के डाटा से लिंकिंग व राजस्व कर्मियों द्वारा सत्यापन का कार्य 96 प्रतिशत सम्पादित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि ऑर्थो रेक्टीफाइड सैटेलाइट इमेज के माध्यम से भू–मानचित्रों को जिओ रेफरेंस किया जा सकता है। उन्होंने मुख्य सचिव के समक्ष तीन विकल्पों के बारे में अवगत कराया। पहले विकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन सेंटर यूपी शासन की अपेक्षानुसार समस्त उपलब्ध भू–मानचित्रों की इमेज फाइल्स उपलब्ध कराते हुए कार्य संपादित कराया जाए। दूसरा विकल्प प्रदेश के 70 जनपदों में भू–मानचित्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य सम्पादित कर रही 6 एजेन्सियों से किए गए अनुबंध के अतिरिक्त इस कार्य के लिए अनुबंध को विस्तारित करते हुए उनको आवंटित मंडलों के समस्त जनपदों का कार्य सम्पादित कराया जाए। तीसरा विकल्प जैम पर नई कार्य निविदा के माध्यम से नयी एजेन्सियों का चयन कर कार्य सम्पादित कराया जाए।

योगी की गर्दन काटने की धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने दबोचा

मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गर्दन काटने की धमकी देना आरोपी युवक को बहुत महंगा पड़ गया है। पुलिस ने आरोपी युवक को धर दबोचा है जिससे पूछताछ चल रही है। आरोपी युवक मुरादाबाद के थाना मझौला इलाके का रहने वाला है। जिसका नाम संजय सैनी है। जिसने बीते 20 अगस्त को सोशल मीडिया के फेसबुक पेज पर दूसरे की फेक पेज बनाकर मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी थी। युवक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गर्दन काटने वाले को दो करोड़ रुपये ईनाम देने का एलान किया था जो अब उसे बहुत महंगा पड़ रहा है।

एसएसपी मुरादाबाद हेमन्त कुठियाल ने बताया कि आत्मप्रकाश नाम की एक फेसबुक आईडी बनी थी जिसपर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और देश के विरुद्ध अलग अलग पोस्ट किए गये थे जिसपर शिकायत हुई तो आरोपी के खिलाफ मुकदमा लिखा गया था। साइबर सेल और सर्विलांस ने बहुत मेहनत करके एक संजय सैनी नाम के युवक को गिरफ्तार किया है।

अपोलोमेडिक्स में शुरू हुआ पीडियाट्रिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने चाइल्ड हुड कैंसर अवेयरनेस मंथ में ऑन्कोलॉजी के इलाज, हेमेटोलॉजी बोन मैरो ट्रांस प्लांट के लिए डेडिकेटेड यूनिट की शुरुआत की है। अस्पताल प्रशासन का दावा है कि अभी तक इन गंभीर बीमारियों का इलाज कराने के लिए मरीजों को दिल्ली–मुंबई जैसे शहरों का रुख करना पड़ता था। इसके चलते पहले से महंगे इलाज का खर्च बढ़ जाता हैं। अपोलोमेडिक्स में इसके डेडिकेटेड यूनिट शुरु होने के बाद से अब लखनऊ में ही यह सुविधा उपलब्ध होने का दावा ही किया गया। प्रो (डॉ) अर्चना कुमार ने बताया, रिसर्च में यह बात सामने आई है कि हर 50 हजार बच्चों में से 3 से 4 बच्चे, इसकी चपेट में आते हैं। इन बच्चों के इलाज के लिए अलग जरूरत होती हैं। बच्चों में ल्यूकेमिया, हड्डी के कैंसर, विल्म्स ट्यूमर, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के ट्यूमर जैसी घातक बीमारी तेजी से फैल रही हैं। मगर समय रहते इलाज

मिल जाने से कैंसर से पीड़ित अधिकांश बच्चे ठीक हो जाते हैं और सामान्य रूप से अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं। शुक्रवार को इसके औपचारिक इनॉग्रेशन पर अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सीईओ–एमडी डॉ. मयंक सोमानी ने बताया, अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल में पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी और हेमेटोलॉजी डिपार्टमेंट की शुरुआत हो चुकी है।

संक्षिप्त खबरे

क्षमावाणी पर्व को राष्ट्रीय क्षमा दिवस घोषित करने की मांग

लखनऊ। श्री जैन धर्म प्रवर्धनी सभा लखनऊ के अध्यक्ष अतुल कुमार जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखा है। उन्होंने समाज की ओर से जैन धर्म के क्षमा वाणी पर्व को राष्ट्रीय पर्व घोषित करते हुए राष्ट्रीय क्षमा दिवस घोषित करने की मांग की है। अतुल ने बताया कि पूरे देश में विभिन्न कारणों से अराजकता और अशांति का माहौल है। एक देश दूसरे देश पर आक्रमण के लिए लालायित है जिसका प्रभाव मानव जाति पर बहुत बुरा पड़ रहा है। वह भविष्य के लिए अशांकित है। आतंकवाद मानवता के लिए खतरा है। जैन धर्म का यह पर्व आपस में कटुता कम करने और सौहार्द बढ़ाने एवं शांति स्थापित करने में कारागार हो सकता है। शास्त्रों में लिखा है कि क्षमा वीरसय भूषणम् अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। अंतरात्मा से मांगी गई क्षमा हमें विनम्रता एवं सज्जनता के रास्ते पर ले जाती है।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा के जारी हुए एडमिट कार्ड

लखनऊ। एलयू पीएचडी प्रवेश परीक्षा में पहली बार स्नातक की तर्ज पर एडमिट कार्ड पर भी बार कोड लगाया गया है। इसे स्कैन करके अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र तक आसानी से पहुंच सकेंगे। एलयू यानी लखनऊ विश्वविद्यालय में होने वाली पीएचडी प्रवेश परीक्षा के एडमिड कार्ड जारी कर दिए गए हैं। 6 और 7 सितंबर को होने वाली पीएचडी प्रवेश परीक्षा 2021–22 के एडमिट वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। पीएचडी प्रवेश परीक्षा में 6500 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने आवदेन किया है। 2 दिन और 2 शिफ्ट में होने वाली 37 विषयों के इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस में सेंटर बनाएं गए हैं। एलयू के प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया, पीएचडी प्रवेश परीक्षा–2021–22 के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। अभ्यर्थी अपने लॉग इन और पासवर्ड के जरिए इसे डाउनलोड कर सकते हैं। पुराने परिसर में जेके ब्लाक और डा. केके सक्सेना (न्यू कामर्स) ब्लॉक में अभ्यर्थियों का केंद्र आवंटित किया गया है। इसकी डिटेल जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दी गई है। परीक्षा में शामिल होने से पहले स्टूडेंट डिटेल इंस्ट्रक्शन को पढ़ कर ही जाएं।

घर में घुस कर चोर जेवर बटोर ले गए चोर

लखनऊ। माल के रायपुरवा में किसान देशराज के घर में घुस कर चोर जेवर बटोर ले गए। शुक्रवार सुबह किसान को वारदात का पता चला जिसकी एफआईआर माल थाने में दर्ज कराई गई है। वहीं चिनहट के नौबस्ता में मकान का ताला तोड़ कर 18 हजार रुपये और गहने चोरी किए गए हैं। नई बस्ती रायपुरवा निवासी देशराज के अनुसार गुरुवार देर रात चोर दीवार चढ़ कर मकान में दाखिल हुए थे। परिवार सो रहा था। किसी को भी चोरों के आने का पता नहीं चला। सुबह नींद खुलने पर सामान बिखरा मिला। देशराज ने बताया कि करीब दो लाख के गहने व रुपये चोरी हुए हैं। इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि छानबीन की जा रही है। इसके अलावा चिनहट निवासी मृगेंद्र गुप्ता के मकान में घुस कर चोर 18 हजार रुपये और जेवर चोरी कर ले गए। घटना के वक्त मृगेंद्र बाहर गए हुए थे। इंस्पेक्टर चिनहट तेज बहादुर सिंह के मुताबिक मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

चार सितंबर से श्रीराम कथा अमृत महोत्सव

लखनऊ। अखिल भारतीय श्री राम नाम जागरण मंच की ओर से 11 दिवसीय श्रीराम कथा अमश्त महोत्सव का आयोजन चार सितंबर से श्री जगदंबेश्वर महादेव मंदिर सेक्टर के आशियाना में होना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय श्री राम नाम जागरण मंच व कार्यक्रम संयोजक पंडित निर्मल शास्त्री ने बताया कि कार्यक्रम चार से 14 सितंबर तक चलेगा। कार्यक्रम में समस्त श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था प्रदान की गई है। 14 सितंबर को यज्ञ की पूर्णाहुति होगी। अखिल अखिल भारतीय श्री राम नाम जागरण मंच के संरक्षक राजन त्रिवेदी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। कथा रोजाना शाम पांच से रात नौ बजे तक होगी। श्री राम कथा संत रमेश भाई शुक्ला के श्री मुख से प्रतिदिन चलेगी।

कार पलटने से एक युवक की मौत, तीन युवक घायल

शाहजहांपुर। कटरा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि चौक कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चौक निवासी ऋषभ खन्ना अपने मित्रों दिव्यम गुप्ता व गौरव सेठ के साथ मारुति कार से बरेली घूमने जा रहे थे। कटरा के पास अचानक से गाड़ी डिवाडर से टकरा गई जिससे कार पलट गई। जिससे कार चालक ऋषभ गुप्ता (20) की मौके पर ही मौत हो गई। व दिव्यम गुप्ता तथा गौरव सेठ व सागर खन्ना गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए बरेली में भर्ती कराया गया। जिनका इलाज चल रहा है।

स्वास्थ्य महकमें में फिर से हुए तबादले, 7 जिलों में नए सीएमओ की हुई तैनाती

लखनऊ। यूपी के चिकित्सा और स्वास्थ्य महकमे में शुक्रवार को एक बार फिर तबादलों की लिस्ट जारी हुई। प्रदेश के 7 जिलों में नए सीएमओ यानी मुख्य चिकित्सा अधिकारी तैनात किए गए हैं। एक दिन पहले यानी गुरुवार को विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद का ट्रांसफर हो गया था। उसके बाद यह पहली ट्रांसफर लिस्ट जारी हुआ हैं।

प्रदेश के सभी जनपदों में सम्मानित किए जाएंगे व्यापारी और समाजसेवी : संदीप बंसल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। व्यापारी समाज द्वारा 3 सितंबर को पिछले 21 वर्षों से व्यापारी दिवस के रूप में लगातार आयोजित किया जा रहा है इन मौकों पर बीते वर्षों में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पूर्व मुख्यमंत्री राम प्रकाश जी कल्याण सिंह जी अखिलेश यादव हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता पूर्व राज्यपाल' 'विष्णुकांत शास्त्री सहित कई वरिष्ठ नेता मंत्री शामिल होते रहे है विश्व एवं देश के अन्य महत्वपूर्ण दिवसों की तरह व्यापारी वर्ग को भी महत्व देते हुए सरकार द्वारा व्यापारी दिवस आयोजित किया जाए इसके लिए व्यापारी समाज निरंतर प्रयत्नशील है और इसी कड़ी में 3 सितंबर दिन शनिवार को उत्तर प्रदेश के समस्त 75 जनपदों में व्यापारी दिवस का आयोजन भव्यता के साथ किया जा रहा है इस अवसर पर' 'व्यापारियों के साथ साथ समाज के सभी वर्गों से विशिष्ट महानुभावों को सम्मानित किया जाएगा उक्त' 'जानकारी अखिल

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए दी प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में संदीप बंसल ने कहा कि भारत को फिर से सोने की चिड़िया बनाना यही व्यापारी दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य है उद्योग लगे व्यापार बढ़ता जाए इसके लिए उद्योग व्यापार की जो भी बाधाएं हैं उनका जड़ से निदान हो उद्योग और व्यापार प्रारंभ करने से लेकर उस को आगे ले जाने में सुगमता रहे इसलिए व्यापारी दिवस को आयोजित किया जा रहा है ताकि सरकार प्रशासन राजनेता और समाज सभी उद्यमी व्यापारी के महत्व को ठीक से समझ सके' 'संदीप बंसल ने बताया कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में व्यापारी दिवस कार्यक्रम सहकारिता भवन में आयोजित किया जा रहा है जिस के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता उत्तर प्रदेश सुरेश खन्ना होंगे व्यापारी दिवस के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में लखनऊ की महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया एवं संगठन के मुख्य संयोजक दिल्ली से चलकर के आने वाले सुधीर बंसल होंगे। बंसल ने कहा संगठन के स्थापना के 29 वर्ष 2022 3 सितंबर को पूर्ण हो रहे हैं इसीलिए प्रदेश के सभी जनपदों में 29 महानुभावों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेश छाबलानी, जावेद बैग, आकाश गौतम अनिता जयसवाल, नवीन भसीन, अश्वन वर्मा, अनुज गौतम उपस्थित रहे।

ड्रग सिंडिकेट को खत्म करने के लिए नेपाल सीमा पर बढ़ाएगी चौकसी

लखनऊ। मादक पदार्थो के सौदागरों के सिंडीकेट को नेस्तानाबूद करने के अभियान के तहत उत्तर प्रदेश सरकार ने नेपाल सीमा से सटे जिलों में और अधिक चौकसी बरतने के निर्देश दिये हैं। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ड्रग माफिया के खिलाफ बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने प्रदेश में ड्रग माफिया को पूरी तरह से नेस्तानाबूद करने के निर्देश दिए हैं। सीएम के निर्देश पर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के अंतरराष्ट्रीय रूट का अध्ययन किया है। इसी के आधार पर नेपाल सहित दूसरे प्रदेशों की सीमा पर चौकसी और बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि योगी के निर्देश पर यूपी पुलिस ने प्रदेश में ड्रग माफिया के खिलाफ पिछले एक सप्ताह से चलाये जा रहे अभियान को एक सप्ताह के लिए आठ सितंबर तक बढ़ा दिया है।

फोन से हो रहा था कैंसर मरीज का इलाज

लखनऊ। शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी की टीम ने निजी अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई की हैं। विभागीय अफसरों ने जब गुडंबा के श्यामा हॉस्पिटल में छापेमारी की। इलाज के नाम पर मरीजों के साथ लापरवाही दिखी। छापेमारी करने वाली टीम को निजी अस्पताल में फोन पर हाल बताकर कैंसर मरीजों को दवाएं लिखी जा रही थी। टीम ने अस्पताल के संचालन पर रोक लगाते हुए जांच के आदेश दिए हैं। आईजीआरएस पोर्टल पर श्यामा हॉस्पिटल की शिकायत हुई। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आरके चौधरी, डिप्टी सीएमओ डॉ. एपी सिंह व चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विनय कुमार की टीम श्यामा हॉस्पिटल पहुंची। छापेमारी के हॉस्पिटल के मालिक अनूप कुमार रस्तोगी मिले। टीम ने अनूप से उनकी शैक्षिक योग्यता पूछी तो अनूप ने खुद को बीएएमएस डॉक्टर बताया। हॉस्पिटल में डी फार्मा का छात्र मुकेश कुमार व अमित कुमार मिले।

कार्यालय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज

प्रयागराज। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज के तत्वाधान में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022 के अंतर्गत विचार गोष्ठी एवं फूड विदाउट फायर का आयोजन आज संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के संदर्भ में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका संयोजन प्रवक्ता गृह विज्ञान श्रीमती वर्तिका कुशवाहा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्रवक्ता श्री शिव नारायण सिंह द्वारा किया गया, इस अवसर पर वरिष्ठ प्रवक्ता श्री आलोक तिवारी द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा का दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में प्रवक्ता श्रीमती अंबालिका मिश्रा एवं श्री विवेक त्रिपाठी द्वारा विचार व्यक्त किया गया, जिसमे संतुलित आहार और उपभोक्तावादी संस्कृति के अंतर्गत पिज्जा, बर्गर फास्ट फूड के दोषों के बारे में बताया गया एवं आधुनिक जीवन शैली में सुधार के विषय में चर्चा की गई, जिसके कारण मोटापा, बल्डप्रेशर, डायबिटीज, हार्ट अटैक जैसी बीमारियां जन्म लेती है, संतुलित जीवन शैली और हरी शाक सब्जी का उपयोग करने पर जोर दिया , । इसके पश्चात सभी प्रशिक्षुओं द्वारा फूड विदाउट फायर के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के खाद्य सामग्री तैयार किया गया जिसके अंतर्गत ओरियो सेक, लस्सी, कोल्ड कॉफी, बनाना सेक, दहीबड़ा, चुरमुरा,भेलपुरी, फ्रूट चाट, स्प्राउट चाट, एवम केक इत्यादि प्रशिक्षुओं के विभिन्न समूह के द्वारा बनाया गया।

भक्तिमय में भजनों से गौरी पुत्र गणेश को रिझाया गया

लखनऊ। ऐशबाग जल संस्थान कालोनी की ओर से गणेश चतुर्थी के अवसर पर ऐशबाग स्थित जल संस्थान शिव मंदिर परिसर में चल रहे पांच दिवसीय तृतीय विशाल गणेशोत्सव एवं सांस्कृतिक संध्या के तीसरे दिन एक संध्या प्रथम पूज्य गणेश के नाम पर भक्तिमय गीतों की स्वर सरिता प्रवाहित की गई। अनामिका मिश्रा ने इस बात की जानकारी दी कि बच्चों ने आज सफेद–हरे गुब्बारों, रंगीन कागजों की झालरों, लाइटों से गणपति महाराज के दरबार का अलौकिक श्रृंगार किया गया था।

संगीत से सजे सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ गणेश वंदना से किया गया। इसी क्रम में शारदा मिश्रा ने घर मे पधारो गजानंद जी मारे घर मे पधारो भक्तिमय गीत प्रस्तुत कर मंगलमूर्ति में चरणों अपनी हाजिरी लगाई। इसी क्रम में मंजू ने अपनी खनकती आवाज में हमें क्या काम दुनिया से हमारा कृष्ण प्यारा गीत प्रस्तुत कर लोगों को कृष्ण भक्ति के सागर में आकंठ डिबोया। भक्ति संगीत से परिपूर्ण इस प्रस्तुति के उपरांत कुसुम ने अर्जुन के बाण जैसा कोई बाण नहीं देखाकृ गीत प्रस्तुत कर भक्ति गीतों की सरिता प्रवाहित की, उन्होंने अपने कार्यक्रम की शुरूवात अवध मा बाजे सखी आज बधईया से कर श्रोताओं को भक्ति रस का रसपान कराया।

भक्तिमय गीत से ओतप्रोत इस पेशकश के बाद अर्चना–गायत्री ने कैसा बना निराला मेरे शिव का शिवाचा गीत सुनाकर श्रोताओं की असंख्य तालियां बटोरी। मन को मोह लेने वाली इस प्रस्तुति के पूर्व अनुष्का, दिव्यांशी, अंकिता, मुस्कान, शिवांगी ने या देवी सर्वभूतेष पर नश्त्य प्रस्तुत कर भक्तों को भगवती देवी दुर्गा के नवों रूपों के दर्षन कराए।

योगी के निर्देश था बाहुल्य क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं का लाभ हर हाल में पहुंचे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेपाल सीमा से लगे बलरामपुर जिले के थारू बाहुल्य क्षेत्रों में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और थारू जनजाति के लोगों को विद्यालय, विद्युत,पहुंच मार्ग आदि सुविधाओं से संतश्प्त कर लघु एवं कुटीर उद्योग के माध्यम से आर्थिक विकास किये जाने का निर्देश दिये है। जिले के तुलसीपुर क्षेत्र में स्थित देवीपाटन मंदिर में शुक्रवार को दर्शन एवं पूजा अर्चना करने के बाद मुख्यमंत्री ने 26 सितंबर से प्रारंभ हो रहे शारदीय नवरात्र मेले की तैयारियों और विकास कार्यों की समीक्षा की और मेले में साफ सफाई की समुचित व्यवस्था, चाक–चौबंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिये। उन्होने अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखने एवं मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो इसके लिए समुचित

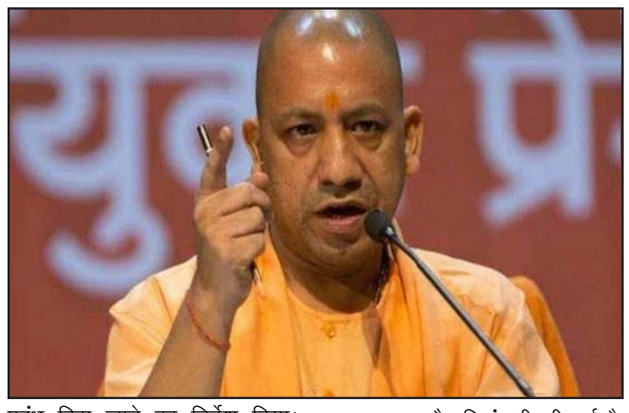

प्रबंध किए जाने का निर्देश दिया। योगी ने जिले में बाढ़ एवं सूखा प्रबंधन की भी समीक्षा की। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि फिलहाल जिले में बाढ़ की स्थिति नहीं है, राप्ती नदी का जलस्तर चेतावनी बिंदु से नीचे है, फिर भी बाढ़ से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा समस्त तैयारियां पूरी की गई है, किसी भी स्थिति से निपटने के लिए संबंधित विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई है। इसके अलावा कम वर्षा के कारण यदि सूखे की स्थिति बनती है तो उससे भी निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा समस्त तैयारियां शासन के निर्देशानुसार पूरी की गई है।

इंग्लैण्ड के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर की संस्था ने सीएमएस छात्रों के मानवतावादी वैश्विक दृष्टिकोण को सराहा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। इंग्लैण्ड के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर की अन्तर्राष्ट्रीय संस्था 'जनरेशन ग्लोबल' की चार सदस्यीय टीम ने सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) व राजाजीपुरम (प्रथम कैम्पस) का भ्रमण कर विभिन्न वैश्विक विषयों पर सी.एम.एस. छात्रों से व्यापक विचार–विमर्श किया एवं सी.एम.एस. छात्रों की रचनात्मक सोच व मानवतावादी वैश्विक दशष्टिकोण की भूरि–भूरि सराहना की। इस अवसर पर सी.एम.एस. छात्रों ने भी 'ग्लोबल सिटीजनशिप एजूकेशन प्रोग्राम' से जुड़े अपने अनुभवों व विचारों को विस्तार से साझा किया। इंग्लैण्ड से पधारी टीम का नेतश्त्व 'जनरेशन ग्लोबल' की डायरेक्टर सुश्री लूसी हेटर ने किया जबकि टीम के अन्य सदस्यों में चार्लीन गैम्बे, बिजनेस डेवलपमेन्ट मैनेजर, सुश्री ऑचल मित्तल, मार्केटिंग एण्ड कम्युनिकेशन मैनेजर एवं श्रुति शर्मा, पार्टनरशिप, मार्केटिंग एण्ड

कम्युनिकेशन लीड शामिल थे। इस अवसर पर सी.एम.एस. गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) में छात्रों के साथ विचार–विमर्श करते हुए 'जनरेशन ग्लोबल' की डायरेक्टर सुश्री लूसी हेटर ने कहा कि सीएमएस द्वारा प्रदान की जा रही संतुलित शिक्षा, विश्वव्यापी तथा वैज्ञानिक दशष्टिकोण से हम बहुत अधिक प्रभावित हैं। सी.एम.एस. छात्र वास्तव में विश्व नागरिक बनकर सारे विश्व को एकता, शान्ति व सौहार्द का संदेश दे रहे हैं। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने कहा कि सी. एम.एस. अपनी स्थापना के समय से ही छात्रों को मानवतावादी विश्वव्यापी दशष्टिकोण अपनाने को प्रेरित कर रहा है। सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने कहा कि विश्व स्तर पर हो रहे बदलावों को देखते हुए 21वीं सदी की शिक्षा का स्वरूप ऐसा होना चाहिए जो बालक के दशष्टिकोण को संकुचित राष्ट्रीयता से ऊपर उठकर विश्वव्यापी बनाये।

उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक आज करेंगे सीएमएस शिक्षकों को सम्मानित

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल द्वारा शिक्षक दिवस के पावन उपलक्ष्य में 'शिक्षक सम्मान समारोह' का आयोजन कल 3 सितम्बर, शनिवार को सी.एम.एस. गोमती नगर (द्वितीय कैम्पस) ऑडिटोरियम में किया जा रहा है। इस भव्य समारोह में कल, प्रात 9.00 बजे प्रदेश के उप–मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में पधारकर सी.एम.एस. शिक्षकों को पुरष्कृत कर सम्मानित करेंगे। यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर सी. एम.एस. के लगभग 3000 शिक्षकों व कार्यकर्ताओं को डेढ़ करोड़ रूपये से अधिक के पुरस्कारों से सम्मानित किया जायेगा, जिसमें नगद धनराशि व आकर्षक उपहार शामिल है। इसके साथ ही, विद्वान शिक्षकों की माताजी को फलों व फूलों से तौलकर सम्मानित किया जायेगा एवं शिक्षकों के पिताजी को सार्वजनिक रूप से पुरष्कृत कर सम्मानित किया जायेगा।

मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में योगी सरकार लगायेगी रोजगार मेले

लखनऊ। महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों के आरोपों से बेपरवाह उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में रोजगार मेले के आयोजन की तैयारी कर रही है। सूबे के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने इस सिलसिले में सेवायोजन विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है।

उन्होने कहा कि युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिये सरकार विभिन्न योजनाये चला रही है और इसी क्रम में रोजगार मेलों का आयोजन किया जाता है। उन्होने अपर मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में रोजगार मेला आयोजित करने के लिये संबधित विभाग के अधिकारियों की एक बैठक छह सितम्बर को उनके कार्यालय में कराने की व्यवस्था करें। अंसारी ने कहा कि योगी सरकार अल्पसंख्यक समाज के विकास के लिए पूरी इमानदारी से काम कर रही है।

रामनगरी में होगा बिजली का तार अंडरग्राउंड

जुलाई 2023 से पहले काम होगा पूरा, अभी तक 50 फीसदी पूरा हुआ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या को भव्य और सुंदर बनाने के लिए शासन स्तर पर कई योजनाएं चल रही है। इसी क्रम में करोड़ों की लागत से राम नगरी को तार के जाल से मुक्त किया जा रहा है। 179.60 करोड़ की लागत से राम नगरी में अंडरग्राउंड केबल बिछाए जा रहे है। इसका काम उज्जवल भारत, उज्जवल भविष्य पावर 2047 कार्यक्रम के अंतर्गत बिजली के तारों को भूमिगत किया जा रहा है। अधिशाषी अभियन्ता प्रदीप कुमार वर्मा ने बताया कि भूमिगत केबल बिछाने की कुल लागत लगभग 180 करोड़ है। अब तक लगभग 50 फीसदी काम पूरा कर लिया गया है। इंटीग्रेटेड पॉवर डेवलपमेंट स्कीम योजना का काम जून 2021 में शुरू किया था, जिसे पूरा करने का लक्ष्य जून 2023 तक है। उन्होंने बताया कि आगे के काम में राम नगरी में बन रही सड़कों में केवल डालने का होगा। गौरतलब है कि तात्कालिक सीएम अखिलेश यादव ने इस योजना के लिए घन का आंवटन किया था। जिसके तहत ध्2017– 18

में राम नगरी में पहले फेज का काम 54 करोड़ की लागत से किया गया था। योजना के तहत प्रमुख सड़कों का अंडर ग्रांउड किया गया था। इसके बाद योगी आदित्यनाथ ने योजना को आगे बढ़ाते हुए इसे व्यापक रूप दिया और पूरी राम नगरी को खंभों और तार से मुक्त कर दिया। अंडरग्राउंड केबलिंग के अलावा सौभाग्य योजना फेज–वन के तहत 61.80 करोड़ रुपये की लागत से 2,556 मजरों का विद्युतीकरण का कार्य किया गया है। 1,02,487 घरों का संयोजन कर उन्हें रोशन किया गया है। इसमें से 37,239 बीपीएल परिवारों को शामिल किया गया है। इसके अलावा सौभाग्य योजना के दूसरे फेस– 10.27 करोड़ रुपए की लागत से 147 मजरों का विद्युतीकरण कर 13,260 घरों को रोशन किया गया है। इसमें 807 बीपीएल परिवारों को शामिल किया गया है। 470 घरों को सौर ऊर्जा के माध्यम से रोशन किया गया।

अयोध्या मस्जिद निर्माण की मुश्किलें बढ़ीं

अयोध्या। अयोध्या मस्जिद निर्माण की मुश्किलें बढ़ गई हैंस अग्निशमन विभाग द्वारा स्थलीय निरीक्षण के बाद प्रस्तावित मस्जिद निर्माण के लिए अप्रोच रोड 12 मीटर की होना जरूरी बताया हैस जबकि मौके पर दोनों अप्रोच रोड 6 मीटर से ज्यादा नहीं हैस बल्कि मुख्य मार्ग की चौड़ाई लगभग 4 मीटर ही है, इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन,अयोध्या मस्जिद ट्रस्ट के ट्रस्टी व प्रवक्ता अरशद अफजाल खान ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक फैसले अयोध्या वर्डिक्ट में यह आदेश दिया था कि सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को 5 एकड़ जमीन अयोध्या में किसी प्रमुख स्थान पर दी जाए।

यूकेलिप्टस बाग में मिली युवक की लाश

बहराइच। नवाबगंज कस्बे से सटे चौगड़वा गांव के पूरब शुक्रवार सुबह रोड के किनारे यूकेलिप्टस के बाग में युवक का शव मिला है। उसकी पहचान नहीं हुई है। पुलिस शव के पहचान के प्रयास में जुटी है। यह सुराग मिला है कि युवक किसी भट्ठे पर मजदूरी करता था। नवाबगंज थाने के चौगड़वा गांव में शुक्रवार सुबह लगभग छह बजे राहगीर पूरब में यूकेलिप्टस बाग से होकर निकल रहे थे। वहां उन्होंने दो यूकिलिप्टस के पेड़ के पास एक युवक की लाश पड़ी देखी। वह आधी बांह की पीली शर्ट व आसमानी शर्ट पहने था। युवक उसकी उम्र लगभग 30 वर्ष रही होगी। घटना की जानकारी होते ही आसपास के गांवों से लोगों की भीड़ जुटने लगी। एसएचओ रामसमुझ प्रभाकर पुलिस बल के साथ पहुंचे। शव के कपड़ों की तलाशी में ऐसा कोई सामान नहीं मिला। जिससे उसकी शिनाख्त हो सकती थी। पुलिस को तहकीकात में पता चला है कि युवक देहात कोतवाली के गजपतिपुर गांव का निवासी है। वह नवाबगंज थाने के सतीजोर गांव के पास स्थित एक भट्ठे पर काम करता था। पुलिस पहचान की कोशिश में लगी है।

राजस्व निरीक्षक की मॉग पूरी न कर पाने के कारण नही हो रही पैमाईश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

रामसनेहीघाट,बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जहां भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त कर रामराज कायम करने की पूरा प्रयास कर रहे हैं तो वही भ्रष्ट कर्मचारी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूब कर प्रशासनिक व्यवस्था को पलीता लगाने में कोई चूक नहीं करते। जिसका ज्वलंत उदाहरण आज जनपद बाराबंकी के तहसील रामसनेहीघाट के ग्राम असेना पंचायत ग्राम कत्याकनपुरवा में एक दुख भरी घटना एक महिला शीला वती पांडे पत्नी खड़बिन पांडे द्वारा बताया गया कि उनके चक पैमाइश की धारा 24 की पत्रावली पिछले 11 माह से नानक शरण राजस्व निरीक्षक द्वारा दस हजार रुपये रिश्वत की मांग पूरी ना होने पर आज भी अधर में लटकी हुई है। शिकायत में अवगत कराया है कि हल्का कानूनगो नानक शरण के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कराया जाए। इसलिए कि धारा 24 के अंतर्गत नाप करने के लिए 1 वर्ष से तहसील रामसनेहीघाट में दिया था। जिसका आदेश एसडीएम द्वारा दिया। पैमाइश के लिये चालान 9 फरवरी 2021 को सरकारी खजाने में जमा किया जा चुका है। फाइल भी राजस निरीक्षक नानक शरण को प्राप्त हो गई। महिला जब नानक शरण से मिलने गई कि मेरे खेत की पैमाइश करवा दीजिए तब उन्होंने दस हजार रुपये सुविधा शुल्क की मांग किया। जिसे शीलावती दे पाने में असमर्थ फिर भी दो हजार दे दिया और गुजारिश किया कि गाटा 974 रकबा 0.498 हेक्टेयर नक्शे में अंकित है यह गाटा चिन्हित कर पैमाइश पक्की नाप करा दी जाए। फिर भी आज तक नहीं किया। ऐसी दशा में पीड़ित शीलावती ने जिलाधिकारी व मुख्यमंत्री को जन सुनवाई के तहत शिकायत भेजकर गुहार लगाई है कि ऐसे भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध आवश्यक उचित कार्यवाही सुनिश्चित कराते हुए गाटा की पक्की पैमाइश धारा 24 के तहत कराए जाने की मांग किया है।

रावण के द्वारा पराजय को प्राप्त हुआ और रावण भी एक दिन ज्ञान के वश में नष्ट हो गया

बाराबंकी। दशजघ्रण पर्व विशेष दिन उत्तम मार्दव धर्म अच्छे बुरे कर्म जाते है हमारे साथ उत्तम मार्दव धर्म का अर्थ है मृदोर्भावः मार्दव अर्थात मृदुला का भाव भार्दव है या मार्दव मान शत्रु का मर्दव करने वाला है यह आठ प्रकार के मद से रहित है और चार प्रकार के विनय से सहित है देखो इन्द्र नाम का विद्याघर इन्द्र के समान वैभवशाली था फिर भी रावण के द्वारा पराजय को प्राप्त हुआ है और वह रावण भी एक दिन ज्ञान के वश में नष्ट हो गया। अतः मान से क्या लाभ यह बाते भक्तो को महराज विशुण सागर जी प्रवचन के माध्यम से पार्श्वनाथा दिगम्बर जैन मन्दिर में दशलक्षण पर्व के दूसरे दिन बता रहे थे। उन्होने कहा सब कुछ क्षणभंगुर है टिकने वाला नहीं है कुद समय पश्चात नाश हो जायेगा तो किसका घमंड करना और किस बात की हमे हमेशा उत्तम मार्दव धर्म का ही पालन करना चाहिए।

संक्षिप्त खबरे

ट्रक से टकराई स्कूली बस, 1 दर्जन बच्चे घायल

अयोध्या। ग्रामर्षि अकैडमी इंटरनेशनल स्कूल की बस आज ट्रक से टकरा गईस इस धटना में 1 दर्जन से अधिक बच्चे मामूली रूप से घायल हो गए हैं, उनका लाइफ लाइन हॉस्पिटल में हुआ प्राथमिक उपचार किया गया है, इस बस के पीछे टूटे हुए शीशे की खिड़की पर बच्चे मौत का सफर कर रहे थे। ग्रामर्षि अकैडमी इंटरनेशनल स्कूल भाजपा एमएलसी डॉ हरिओम पांडे का है, प्रबंधन भारी लापरवाही का शिकार हैस सुबह लोगों ने बस के पीछे टूटे हुए शीशे के देखा और सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर शेयर की थीस इसके कुछ समय बाद ही यह हादसा हो गया, बच्चों को पहले से अनहोनी का अनुमान थास 25 सीटर बस में 45 बच्चे बिठाए गए थेस गद्दोपुर गोसाईगंज में स्कूल हैस बच्चे एनसीसी की ट्रेनिंग के लिए फैजाबाद शहर आए हुए थेस वापसी में कोतवाली नगर के देवकाली बाईपास पर हादसा हुआ।

गैंगरेप का फरार आरोपी गिरफ्तार, जुलाई के दूसरे सप्ताह में हुई थी वारदात

बहराइच। डेढ़ माह से गैंगरेप मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया है। पुलिस को दो और आरोपियों की सरगर्मी से तलाश है। एएसपी ग्रामीण अशोक कुमार ने बताया कि रुपईडीहा थाने के एक गांव निवासिनी युवती ने थाने में गैंगरेप का केस दर्ज कराया था। 13 जुलाई को वारदात हुई थी। इस मामले में तीन लोगों को नामजद कराया गया था। तहकीकात में पता चला कि नामजद आरोपी सरहद पार नेपाल में छिपे हैं। एसएचओ श्रीधर पाठक को गुरुवार शाम सूचना मिली कि आरोपी जैतापुर के मजरे गुरचाही निवासी फारूख उर्फ पहुना छिपकर गांव आया है। वह सोरहिया मोड़ पर मौजूद है। तत्काल वरिष्ठ उपनिरीक्षक रूदल बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक शिवम त्रिपाठी , सिपाही सत्यव्रत चौरसिया, महिला सिपाही आरती वर्मा ने दबिश देकर फारूख को गिरफ्तार कर लिया। गहन पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेजा गया है।

अधिवक्ताओं का मौन जुलूस, ग्राम न्यायालय के समर्थन में निकाला जुलूस

अयोध्या। शुक्रवार को बीकापुर बार एसोसिएशन के अधिवक्ता स्टांप वेंडर समेत तहसील परिसर में स्थित सभी दुकानदारों ने मौन जुलूस का आयोजन किया। जिसमें सभी ने ग्राम न्यायालय के समर्थन में प्रदर्शन किया। बार एसोसिएशन बीकापुर के अध्यक्ष राम सजीवन पांडे के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने मौन जुलूस निकाला। जिसका समर्थन करते हुए तहसील सभागार से ग्राम न्यायालय और ब्लॉक मोड़ होते हुए मार्च उप जिलाधिकारी बीकापुर के कार्यालय तक निकाला गया। इस दौरान बार एसोसिएशन ने ग्राम न्यायालय के समर्थन में एक ज्ञापन जिलाधिकारी को संबोधित उप जिलाधिकारी बीकापुर के माध्यम से सौंपा। जिसमें ग्राम न्यायालय की स्थापना को लेकर संतोष व्यक्त करते हुए शासन और प्रशासन की इस पहल को स्वागत योग्य करार दिया गया। मौन जुलूस में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राम सजीवन पांडेय, मंत्री श्रीकांत तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता आबाद अहमद, बृजेश यादव, बृजेश तिवारी, सीताराम दुबे, राकेश चंद्र पाठक, अरविंद पांडे, कालिंदी पाल, सुषमा मौर्य, पुष्पेंद्र मिश्रा, अरुण मिश्रा , सुरेंद्र पांडेय के अलावा स्टांप वेंडर संघ के अध्यक्ष रविंद्र यादव, जमुना गुप्ता, टाइपिस्ट राजेश श्रीवास्तव , भगवान बली यादव समेत अनेक दुकानदार व आम जनता शामिल रहे।

मुट्ठी भर अनाज के लिए बंदर की हत्या,स्थानीय लोगों ने दर्ज कराया मुकदमा

बाराबंकी। जिले के बड्डूपुर थाना क्षेत्र में मुट्ठी भर अनाज के लिए एक दुकानदार हैवान बन गया। मुट्ठी भर अनाज खाने से नाराज दुकानदार ने बंदर को बेरहमी से पीट–पीटकर मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी जब ग्राम प्रधान और ग्रामीणों को हुई तो उन्होंने स्थानीय थाने पर शिकायती पत्र देते हुए आरोपी दुकानदार पर मामला दर्ज कराया है। पुलिस प्रशासन और तहसीलदार की मौजूदगी में हिंदू संगठन के लोगों ने मश्त बंदर का पूरे विधि विधान से अंतिम संस्कार किया। हिंदू संगठन के लोगों ने आरोपी दुकानदार पर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पूरा मामला बाराबंकी जिले की बड्डूपुर कोतवाली क्षेत्र के जोजगसेण्डा गांव का है। इस गांव का रहने वाला दुकानदार सत्तार अली साइकिल रिपेयरिंग की दुकान चलाता है। साथ ही वह छुटपुट अनाज की खरीदारी भी करता है। सत्तार अली की दुकान के बाहर गेहूं का ढेर लगा हुआ था। इसी दौरान एक बंदर आया और उसने मुट्ठी भर अनाज उठाने की कोशिश की। यह देख दुकानदार ने उसके ऊपर लोहे के रॉड से हमला कर दिया। जिससे बंदर का पैर टूट गया। इसके बाद दुकानदार सत्तार अली व उसके पुत्र रिआजुल ने मिलकर बंदर को पीट–पीटकर मौत के घाट उतार दिया। इस घटना के बाद ग्राम प्रधान व ग्रामीणों ने बड्डूपुर थाने पहुंचकर आरोपी दुकानदार पर कार्यवाही को लेकर तहरीर दी है। वहीं घटना की जानकारी होते ही हिंदू संगठन के लोगों ने कड़ी कार्यवाही किए जाने की मांग की है। हिंदू संगठन के लोगों ने पुलिस प्रशासन व तहसीलदार के साथ अमश्त बंदर का पूरे विधि–विधान पूर्वक अंतिम संस्कार किया है।

अन्तर्विद्यालयी क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल 09 सितंबर को

बाराबंकी। विद्यालय में 06 सितंबर 2022 से शुरू होने वाले अन्तर्विद्यालयी क्रिकेट टूर्नामेंट का आज ड्रा के माध्यम से निर्धारित किया गया, जिसका उद्घाटन मैच सेन्ट्रल एकेडमी बाराबंकी और कुंवर ग्लोबल स्कूल के बीच खेला जायेगा, उक्त टूर्नामेंट में कुल 8 टीमे प्रतिभाग कर रही है। इस नाक आउट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मैंच 08 सितंबर 2022 और फाइनल मैच 09 सितंबर 2022 को खेला जायेगा।

डीएम ने ली जल जीवन मिशन की बैठक,डिप्टी सीएम के निरीक्षण के बाद डीएम ने लगाई फटकार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

गोण्डा। गोंडा से लखनऊ जाते समय डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने एक दिन पहले चौरी चौराहा के पास एलएनटी के प्रीकॉस्ट यार्ड का निरीक्षण किया था और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए थे। इसके बाद आज जिलाधिकारी ने डॉक्टर उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जल जीवन मिशन से चल रही समस्त परियोजनाओं पर विस्तश्त रूप से गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जल जीवन मिशन की कार्यदायी संस्था एलएनटी और लोक सेवा मिशन तथा आईएसए को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिये हैं कि कार्यों में और तेजी लाई जाएं। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं को पूरी गुणवत्ता के साथ समय से पूरा कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि चल रही निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति के संबंध में समय–समय पर उन्हें भी अवगत कराएं। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था एवं संबंधित विभाग को निर्देशित किया है कि योजना का प्रचार प्रसार, ट्यूबवेल, पाइपलाइन आदि के कार्यों

में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाय। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की कमी पाये जाने पर संबंधित की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एक्सईएन जल निगम और एलएनटी के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि सभी कार्यों का विभाजन करके संबंधित की जिम्मेदारी तय की जाए और समय–समय पर कार्यों के प्रगति की उनसे जानकारी ली जाए। जनपद में जल जीवन मिशन का कार्य शत–प्रतिशत समय से पूरा कराने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सरकार की महात्वाकांक्षी योजना है। सभी कार्यदायी संस्था को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी परियोजनाओं का कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ से कराना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी जयनाथ यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दुबे, एक्सईएन जल निगम, एई जल जीवन मिशन, एलएनटी व लोक सेवा मिशन, आईएसए, विंग्स आदि कार्यदायी संस्था, एवं अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय टेनिसबॉल क्रिकेट प्रतियोगिता आज से शुरू

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय टेनिसबॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन बाराबंकी में बाराबंकी टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश टेनिस बॉल क्रिकेट संघ द्वारा राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष व महिला टेनिसबॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 2022–23 का आयोजन जनपद के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में 3 सितंबर 2022 से 4 सितंबर 2022 तक किया जाएगा।

जिसमें प्रदेश की विभिन्न जनपदों की 20 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। जिसका उद्घाटन कल प्रातः 10:00 बजे मुख्य अतिथि अंगत सिंह विधान परिषद सदस्य बाराबंकी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ विवेक सिंह वर्मा, भारतीय टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के महासचिव इमरान अहमद लारी उपस्थित रहेंगे।

प्रतियोगिता का समापन 4 सितंबर 2022 को समय 3:30 बजे दोपहर सतीश शर्मा मंत्री खाद एवं रसद उत्तर प्रदेश सरकार करेंगे।

व्यक्ति ने लगाई फांसी, मौत के कारणों का नहीं चला पता

गोण्डा। करनैलगंज के एक मोहल्ले में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलत ही मश्तक के घर पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने फांसी के फंदे से लटक रहे शव को नीचे उतार कर अपनी छानबीन शुरू कर दी है। घटना करनैलगंज नगर के बालूगंज मोहल्ले स्थित कैलाश बाग रोड के उमर मार्केट का है। जहां मार्केट में ही किराए पर रह रहे कुलदीप (42) ने अज्ञात कारणों से पंखे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मश्तक कुलदीप अपनी पत्नी रचना के साथ रहता था। मृतक की पत्नी रचना जो वर्तमान में सहायक अध्यापिका के पद पर कार्यरत है और हलधरमऊ ब्लाक स्थित प्राथमिक विद्यालय बिशुनपुरा में पढ़ाती है। रचना के विद्यालय जाने पर उनके पति कुलदीप ने दोपहर करीब 2.30 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची इंस्पेक्टर क्राइम वेद प्रकाश शुक्ला और कस्बा चौकी प्रभारी दिवाकर मिश्रा भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर फांसी के फंदे पर लटक रहे शव को नीचे उतार कर छानबीन करने में जुट गए। मश्तक कुलदीप के दो बच्चे भी हैं, जिनमें बड़ा पुत्र जिसका नाम सार्थक 9 वर्ष का है। वह पीएस मेमोरियल स्कूल में कक्षा 4 में पढ़ता है। वहीं मश्तक की 3 साल की पुत्री सारवी जो घर पर अपने परिजनों के साथ रहती है। हालांकि शुरुआती छानबीन में आत्महत्या का मामला दिखाई पड़ रहा है, लेकिन पुलिस घटना की जांच बारीकियों से कर रही है। मौके पर पहुंचे फॉरेंसिक टीम ने भी अपनी छानबीन शुरू कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई में लग गई है।

महाविद्यालय गई छात्रा गायब, अपरहण की अशंका

रामसनेहीघाटबाराबंकी। थाना क्षेत्र के एक गांव की बालिका जब ग्रेजुएशन की परीक्षा देने महाविद्यालय गई और घर लौट कर नहीं आई। ऐसी दशा में परिजनों द्वारा तलाश की गई जब पता नहीं चल सका तो कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत देकर एफ आई आर 492/2022 अंकित किया गया। प्रकरण बड़ा ही जटिल और सवालों से गिरा हुआ दिख रहा है कि जब वह स्नातक की छात्रा और महाविद्यालय जा रही है और घर वापस नहीं आती तो परिजनों द्वारा तलाश की जाती है और जिनके ऊपर संका थी उनके परिजनों से पूछे जाने पर वह यह भी धमकाते हैं कि हां हमारा पुत्र भगा ले गया क्या करोगे। जो भी कार्रवाई करना जाओ करो। छात्रा के परिजन परेशान है कि छात्रा का अपहरण हुआ। पुलिस द्वारा अपरहण की धाराएं 504, 366 लगाई है जो अपहरण कर धाराये है।

गायघाट मंदिर से चोरी हुआ सामान बरामद, एक लाख का गांजा भी बरामद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बहराइच। मोतीपुर थाने की पुलिस ने इसी सप्ताह गायघाट मंदिर में हुई चोरी में एक युवक को दबोच लिया। उसके पास से चोरी का सामान व 1. 5 किग्रा गांजा भी बरामद किया गया है। गांजा की अन्तरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत एक लाख से अधिक आंकी गई है। एसएसपी केशव कुमार चौधरी ने बताया कि इसी सप्ताह गायघाट के शिव भगवान सोनी पुत्र नकछेद प्रसाद के घर के पास स्थित मंदिर में चोरी हुई थी। पीड़ित ने केस दर्ज कराया था। एसएचओ मुकेश कुमार सिंह को चोरी के खुलासे के निर्देश दिए गए थे। गुरुवार को एएसपी ग्रामीण अशोक कुमार व सीओ मिहींपुरवा केपी सिंह के पर्यवेक्षण में एसएचओ की ओर से गठित टीम में दरोगा हरिद्वार तिवारी, मुख्य सिपाही पदुम नाथ सिंह , सिपाही सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने लौकिहा बैराज पुल के पास दबिश देकर

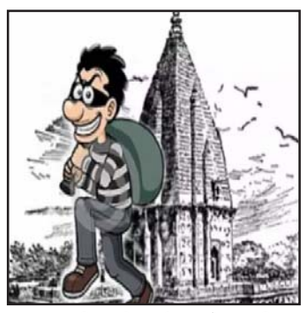

गायघाट निवासी नफीस को 1.5 किग्रा गांजा के साथ पकड़ा। कड़ाई से की गई पूछताछ में उसने मंदिर में चोरी की गई पीतल मूर्ति मां दुर्गा, पीतल की राधा कृष्ण प्रतिमा, सफेद धातु की नटराज प्रतिमा, पीतल की मां काली की प्रतिमा, घंटी आरती पीतल, स्टील के अगरबत्ती स्टैंड, दीपक आदि बरामद कराए। गिरफ्तार आरोपी को चोरी, बरामदगी व एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल भेज दिया गया है

भीड़भाड़ वाले इलाको से बाइक चोरी की घटना को अंजाम देने वाले पॉच शातिर चोर गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। थाना मोहम्मदपुर खाला द्वारा 05 शातिर चोरों को किया गया गिरफ्तार, चोरी की 12 अदद मोटर साइकिल व 75 लीटर मेंथा आयल बरामद करने में मिली कामयाबी। जनपद बाराबंकी में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत 01 सितंबर 2022 को थाना मोहम्मदपुर खाला पुलिस द्वारा अभियुक्तगण मजहर अली पुत्र आशिक अली निवासी मितौरा थाना महमूदाबाद जनपद सीतापुर, फुरकान पुत्र सलमान, मो० रहीश पुत्र अजीज, रहमत अली पुत्र शौकत अली निवासीगण रालभारी थाना मो०पुर खाला जनपद बाराबंकी, वली उर्फ आदिल पुत्र मो० सैन निवासी मितौरा थाना महमूदाबाद जनपद सीतापुर को सीतापुर बार्डर ग्राम धधसी से गिरफ्तार

किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से थाना मोहम्मदपुरखाला पर पंजीकृत मु०अ०सं० 121/2022 धारा 457/380 भादवि से सम्बन्धित 75 लीटर मेंथा आयल व निशांदेही पर चोरी की 12 अदद मोटर साइकिल बरामद किया गया। इस सम्बन्ध में थाना मो०पुर खाला पर मु०अ०सं०–387/2022 ध्ारा 41,411,413,419,420 भा०द०वि० पंजीकृत किया गया। पूछताछ से प्रकाश में आया कि अभियुक्तगण का एक गिरोह है जो जनपद बाराबंकी, सीतापुर व आस–पास के जनपदों में भीड़भाड़ वाले स्थानों से मोटर साइकिल चोरी की घटना कारित करते है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की रेकी कर चोरी की घटनाएं करते है।

नैतिक मूल्यों में गिरावट है वृद्ध मां बाप की उपेक्षा व तिरस्कार का कारण : आर्दश श्रीवास्तव

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। जनपद न्यायाधीश रवीन्द्र नाथ दूबे के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाराबंकी द्वारा 02 सितंबर 2022 को मातृ पित्र सदन, तहसील नवाबगंज जनपद बाराबंकी में वश्द्धों के अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता का आयोजन किया गया। शिविर में सचिव आदर्श श्रीवास्तव के अतिरिक्त मातृपित्र सदन के प्रबंधक कमलेश एवं अन्य कर्मचारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से मोहित कुमार वर्मा एवं अन्य लोग मौजूद थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव आदर्श श्रीवास्तव द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार विषय पर बोलते हुए माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 के प्राविधानो पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया गया कि समाज में नैतिक मूल्यों की गिरावट के नाते वश्द्ध मां बाप के प्रति उपेक्षा एवं तिरस्कार के मामले सामने आ रहे हैं। वृद्धों एवं मां बाप के अधिकारों के तथा इस अवस्था में उनकी उचित

देखभाल एवं कल्याण के लिए व्यापक कानूनी उपबन्ध किये गयें है जिसमें वे अपने बच्चों, बेऔलाद होने की दशा में सम्पत्ति के प्रस्तावित उत्तराधिकारियों से भरण पोषण की मांग कर सकते हैं और प्रतिकूल दशा में वश्द्धाश्रमों का आश्रय ले सकते हैं। साम्पत्तिक मामलों के अंतरण की दशा में लिखत को निरस्त कराने के लिए भी प्रार्थना पत्र देकर सम्पत्ति वापस प्राप्त कर सकते हैं। वरिष्ठ नागरिकों को प्राप्त निःशुल्क विधिक सहायता के उपबन्धों तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के क्रिया कलापों के बारे में भी जानकारी दी गई। लोगों से विवाद को सुलह समझौते द्वारा लोक अदालत एवं मध्यस्थता के माध्यम से निपटाये जाने के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर सचिव आदर्श श्रीवास्तव ने संस्था में रहने वाले बुजुर्गों को वरिष्ठ नागरिक से संबंधित जानकारी देकर जागरूक किया। संस्था के कर्मचारी द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। मातृ–पित्र सदन के प्रबन्धक द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किये गये। विधिक साक्षरता एवं जागरूकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर मातृ पित्र सदन के वृद्ध लोग लाभान्वित हुए और उनके द्वारा पुनः ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित करने की अपेक्षा की गई।

दशलक्षण पर्व विशेष तीसरा दिन उत्तम आर्जव धर्म अर्थात''जीवन में मायाचार को छोड़कर सरलता को अपनाना''

बाराबंकी। जैन दर्शन के अनुसार यदि मनुष्य को अपने जीवन में धर्म अनुकूल आचरण अपनाना है तो उसे जीवन में केवल क्षमा और विनम्रता ही नहीं बल्कि उसे अपने जीवन में उत्तम आर्जव अर्थात जीवन में सरलता को अपनाना होगा और उसे सभी प्रकार के दिखावट वा माया चारी रूपी जीवन से बाहर निकलना होगा तभी मनुष्य अपनी बाहरी आत्मा से अंतरात्मा की ओर विमुख हो पाएगा ।क्षुल्लक श्री विगुणसागर जी प्रवचन के माध्यम से पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मन्दिर में दशलक्षण पर्व के तीसरे दिन बता रहे थे। उन्होंने कहा जीवन में हमें कभी भी धोखा या दिखावा नहीं करना चाहिए क्योंकि जैन दर्शन में एक कथा कही गई है जिसमे गुरनिधी नमक मुनिराज ने जब उत्तम आर्जव धर्म का पालन नहीं किया और अपने जीवन में मायाचार को अपनाया तो उन्हें गत जीवन में तिर्यांच गति मिली । हमें हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि हम कभी भी मायाचारी या किसी के साथ धोखा न करें। हमेशा सरल बने रहें। हमें आर्जव धर्म यही सिखाता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।